दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....
internalnews@gmail.com
www.internalnews.com
वर्ष : 11 | अंक : 357 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, सोमवार 23 मार्च 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सूविचार

मानव हृदय में घृणा, लोभ और द्वेष वह विषैली घास हैं जो प्रेम रूपी पौधे को नष्ट कर देती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर सीधी और गुना एसपी को हटाने के दिये निर्देश

जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को किया निलंबित

» लापरवाह अधिकारियों को फील्ड पोस्टिंग का अधिकार नहीं » प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन को परखने सीधी में किया औचक निरीक्षण » नागरिकों से रूबरू होकर जानी उनकी समस्याएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सीधी जिले में अचानक पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद कर प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति जानी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान आमजन और जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर की गई शिकायतों और जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की कार्य प्रणाली पर विस्तार से समीक्षा एवं फीडबैक लिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत सीधी कलेक्टर श्री स्वरोचित सोमवंशी को तत्काल प्रभाव से हटाने और जिला सहकारी बैंक के के महाप्रबधंक श्री पी.एस. धनवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले में तलाशी के दौरान मिली नगद राशि में हेरफेर के मामले में पुलिस अधीक्षक गुना श्री अंकित सोनी की भूमिका को यथोचित न मानते हुए पुलिस अधीक्षक पद से हटाने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में शासन स्तर पर आवश्यक कदम भी उठाये जायेंगे। प्रदेश में सुशासन की व्यवस्था के चलते अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रदेश में अभियान के साथ

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यदि वे फील्ड में रहकर आमजन की समस्याओं का निराकरण नहीं कर सकते तो उन्हें फील्ड में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिये अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शिता के साथ पहुँचे। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदाशीनता को गंभीरता से लिया जाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री ने सीधी में निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट भवन निर्माण में तेजी लाते हुये निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी में औचक निरीक्षण के बाद स्थानीय सर्किट हाउस में आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान सांसद श्री राजेश मिश्रा, विधायक सिंहावल श्री विश्वमित्र पाठक, विधायक श्रीमती रीति पाठक के साथ ही अन्य जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा आएंगे, आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर करेंगे संवाद

वडोदरा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 23 मार्च, सोमवार को वडोदरा का दौरा करेंगे। इस दौरान वे आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद करेंगे। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने वडोदरा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस दौरे की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में करीब 1000 डॉक्टर, इंजीनियर और विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस संवाद में आदिवासी अधिकार, विकास और सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब राहुल गांधी केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के 93 के स्तर के नीचे जाने पर चिंता जताई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर उन्होंने लिखा कि रुपये की कमजोरी और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भविष्य में महंगाई के संकेत हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई ठोस आर्थिक रणनीति नहीं है और केवल भाषण दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन और परिवहन महंगे होने से सबसे ज्यादा असर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पर पड़ेगा, जिससे रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं।

असम विधानसभा चुनाव: टीएमसी ने दूसरी सूची जारी कर 7 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

दिसपुर। असम विधानसभा चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पार्टी ने यह घोषणा अपने शीर्ष नेतृत्व और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मार्गदर्शन में की। इस सूची में असम की सात विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार मांडिया (बारपेटा) सीट से शेरमन अली अहमद को टिकट दिया गया है। हाजो-सुअलकुची (एससी) सीट से रोजी अहमद (फुनू दास), गुवाहाटी सेंट्रल से अविजीत मजूमदार, चाबुआ-लाहोवाल (डिब्रूगढ़) से इनुस कुमार कंदापन, मरियानी (जोरहाट) से परेश बोरा, करीमगंज नॉर्थ से परिमल रंजन रॉय और करीमगंज साउथ से अजीज अहमद खान (रानू खान) को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने अपनी पहली सूची में एक बदलाव भी किया है। पहली सूची में शामिल क्रम संख्या 6 के तहत चामरिया विधानसभा सीट (एसी नंबर 27) से घोषित उम्मीदवार की उम्मीदवारी वापस ले ली गई है। टीएमसी ने अपने सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वे जनता के बीच जाकर सेवा भावना के साथ काम करें और लोगों का विश्वास हासिल करें।

नीतीश कुमार का जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय, 24 को हो सकती है घोषणा

पटना। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा है कि नीतीश कुमार का पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है और 24 मार्च को इसकी घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक रविवार तक नामांकन भरने की आखिरी तारीख है। 24 मार्च को नाम वापस लेने की डेडलाइन है। अगर कोई और नामांकन नहीं आया तो 24 मार्च को ही निर्विरोध चुनाव की घोषणा होगी। जानकारी के मुताबिक स्क्रूटनी 23 मार्च को होगी। अगर जरूरत पड़ी तो 27 मार्च को वोटिंग कराई जाएगी। बता दें यह नीतीश कुमार का चौथा या पांचवां टर्म होगा। राज्यसभा सांसद चुने जाने के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा सक्रिय रहेंगे। संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार पार्टी और सरकार दोनों को गाइड करेंगे। यहां यह भी बता दें कि बिहार में समृद्धि यात्रा जारी है, लेकिन अब फोकस राष्ट्रीय राजनीति पर शिफ्ट हो रहा है।

जहरीले दूध से हड़कंप: आंध्र प्रदेश में 16 मौतें, कई की हालत गंभीर

पूर्वी गोदावरी। आंध्र प्रदेश में एक दर्दनाक घटना ने खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन मरीजों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। लालाचेरुवु, चौदेस्वरनगर और स्वरूपनगर जैसे इलाकों में फरवरी के मध्य से ही लोगों के बीमार पड़ने की घटनाएं सामने आने लगी थीं। पीड़ितों में उल्टी, तेज पेट दर्द, पेशाब रुकना और किडनी फेलियर जैसे खतरनाक लक्षण देखे गए। जांच में खुलासा हुआ कि नरसापुरम गांव की एक स्थानीय डेयरी यूनिट से सप्लाई किए गए दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था। यह पदार्थ आमतौर पर एंटी-फ्रीज में इस्तेमाल किया जाता है और मानव शरीर के लिए बेहद घातक माना जाता है। इस जहरीले दूध के सेवन से 100 से अधिक परिवार प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। कई मरीजों को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें डायलिसिस और वेंटिलेटर सपोर्ट तक की जरूरत पड़ी। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि पीड़ितों के शरीर में ब्लड यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा हुआ था, जो किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचने का संकेत है। घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत दूध की सप्लाई पर रोक लगा दी और प्रभावित इलाकों में घर-घर जाकर सर्वे शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संदिग्ध दूध विक्रेता को गिरफ्तार कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जेसीबी ऑपरेटर की मौत पर परिवार का मुआवजा 9 से बढ़ाकर 60 लाख किया

नई दिल्ली। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन जब फैसला आता है तो वह टूटे हुए परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मध्यप्रदेश के कटनी के एक परिवार को बड़ी राहत देते हुए साफ कर दिया कि किसी व्यक्ति की जान की कीमत को मामूली नहीं आंका जा सकता। अदालत ने एक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले जेसीबी ऑपरेटर के परिवार का मुआवजा 9 लाख रुपये से बढ़ाकर सीधे 60 लाख रुपये कर दिया है।

यह मामला साल 2018 का है, जब एक सड़क दुर्घटना में घर

के इकलौते कमाने वाले जेसीबी ऑपरेटर की मौत हो गई थी। पीछे रह गईं उनकी पत्नी और एक छोटी बेटी। परिवार ने अपनी आजीविका खोने के बाद मुआवजे के लिए कानूनी लड़ाई शुरू की। मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल ने शुरुआत में परिवार की दलीलों और मृतक की आय (लगभग 24 हजार रुपये महीना) को सही मानते हुए 52 लाख रुपये का मुआवजा तय किया था।

लेकिन बीमा कंपनी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने एक चौंकाने वाले फैसले में मृतक की आय के सबूतों को पर्याप्त नहीं माना और मुआवजे की राशि को भारी कटौती के साथ महज 9 लाख रुपये कर दिया। परिवार के लिए यह किसी दोहरी त्रासदी से कम नहीं था—एक तरफ अपनों को खोने का गम और दूसरी तरफ न्याय के नाम पर मिला यह छोटा सा हिस्सा।

अंततः यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा। सर्वोच्च न्यायालय ने हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि किसी मेहनतकश व्यक्ति की आय से जुड़े ठोस सबूतों को इस तरह नजरअंदाज करना गलत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजा तय करते समय परिवार की जरूरतों और मृतक की वास्तविक कमाई का सही आकलन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि हाईकोर्ट का फैसला तर्कसंगत नहीं था, इसलिए इसे पलटते हुए मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 60 लाख रुपये कर दिया गया।

बिहार दिवस पर राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं, पीएम ने कहा- प्रगति के नए अध्याय गढ़ रहा प्रदेश

नई दिल्ली। बिहार दिवस के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए इसके गौरवशाली इतिहास और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने संदेशों में बिहार की ऐतिहासिक विरासत और विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा कि बिहार केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने इसे विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि बताते हुए कहा कि इस प्रदेश ने प्राचीन काल से ही महान सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक परंपराओं को जन्म दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार के लोग अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिहार दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदेश भारतीय विरासत को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने वाला रहा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार विकास के नए अध्याय लिखने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई,

जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है। सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है।

ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता: शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा। राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है।

मौसम

मार्च में मानसून जैसा मिजाज

दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली। मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और

आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है।

मैहर में सूर्य उपासना पर्व गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न

विक्रमादित्य पर नाटक ने बाँधा समां

मैहर। म.प्र. शासन संस्कृति विभाग तथा विश्व गीता प्रतिष्ठान के निर्देशानुसार मैहर में मंदिर समिति द्वारा संचालित वेद विद्यालय में सूर्य उपासना पर्व का आयोजन गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वेद विद्यालय के छात्रों एवं आचार्यों द्वारा वेद मंत्रों की गूंज के साथ हुई। जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में एकलव्य विद्यालय के ऑडीटोरियम में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और व्रत पर आधारित एक प्रभावी एवं प्रेरणादायक नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक का निर्देशन विपुल सिंह गहरवार ने किया, जिसे उनकी कला मंडली ने जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, एसडीएम दिव्या पटेल, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नव संवत्सर के महत्व, प्रकृति संरक्षण तथा सूर्य-चंद्र की खगोलीय व्यवस्था से पंचांग निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और कृतित्व का उल्लेख करते हुए भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को समझाया और नव संवत्सर के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग द्वारा निर्देशित उद्घोषक राजललन मिश्रा ने किया। इस दौरान सूर्य अर्घ्य, ध्वज पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हुए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, वेद विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के शिक्षक-छात्रों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 26 मार्च को

सतना। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में 26 मार्च 2026 को प्रात: 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई है। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि, विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के उपबंधो के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार अधिकारियों एवं अभिकरणों की भूमिका के संबंध में, विशेष न्यायालय में अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

चैत्र नवरात्रि पर 89 हजार से अधिक भक्तों ने किए मां शारदा देवी के दर्शन

मैहर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मैहर स्थित मां शारदा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को देशभर से पहुंचे भक्तों ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ माता के दर्शन किए। प्रशासन द्वारा की गई चाक-चौबंद सुरक्षा एवं सुगम व्यवस्था के चलते दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। सीढ़ी मार्ग सहित सभी मार्गों पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं, जिससे भक्तों ने सहज रूप से माता के दर्शन किए। शनिवार को 89 हजार 936 श्रद्धालुओं ने मां शारदा देवी के दर्शन किए। इनमें से 79 हजार 413 श्रद्धालु पैदल मार्ग, 1 हजार 323 वैन मार्ग तथा 3 हजार 200 श्रद्धालु रोपवे मार्ग से मंदिर पहुंचे। नवरात्रि पर्व के चलते मंदिर परिसर में लगातार भक्तों की भीड़ बनी हुई है। प्रशासन एवं मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से

चित्रकूट में राम नवमी पर गौरव दिवस के आयोजन

सतना। चित्रकूट के पवित्र धाम में राघव प्रयाग घाट पर इस वर्ष राम नवमी के अवसर पर गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में लोक परंपराओं और धार्मिक भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। लोक गायन (बघेली) की प्रस्तुति स्नेहा मिश्रा मऊगंज द्वारा दी जाएगी, जबकि श्रीराम केंद्रित नृत्य नाटिका का मंचन तरुणा सिंह ग्वालियर करेंगी।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

भगवान झूलेलाल जयंती पर दिन भर चले धार्मिक कार्यक्रम

सुबह विशाल बाइक रैली तो शाम को निकाली भव्य शोभायात्रा

मैहर

मैहर सिंधी समाज द्वारा चेटी चांद के पावन दिवस पर भगवान झूलेलाल जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए। भगवान झूलेलाल जी के मंदिर में विशाल आरती पल्लव अरदास के पश्चात विशाल बाइक रैली निकाली गई जिसका कई जगह स्वागत किया गया रैली सर्वप्रथम पटेहरा स्थिति कैलाश लालवानी के निवास पंहुची जहां सभी का स्वागत मिष्ठान इत्यादि से किया गया उसके पश्चात् रैली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित ऊधवदास माधवानी के निवास पर पंहुची वहां भी मिष्ठान फ्रूटी से स्वागत किया गया तत्पश्चात रैली किला चौक होते हुए पुरानी बस्ती होते हुए घंटाघर कटरा बाजार होते हुए सिंधी कॉलोनी पहुंची जहां ज़ोरदार स्वागत किया गया। रैली उसके बाद चंडी देवी होते हुए मंगल भवन में समाप्त हुई

जहां पूजन अर्चन पश्चात् विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, नपाध्यक्ष पति संतोष सोनी,नपा उपाध्यक्ष पति नितिन ताम्रकार,जीतेंद्र शुक्ला, अंबुज द्विवेदी, मुनि चौरसिया,प्रभात द्विवेदी, रामचंद्र सोनी, सुरेश अग्रवाल, दुर्गा गुप्ता, इंद्रजीत मैनी, अखिल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।शाम को बहराणा साहब की पूजा अर्चना कर अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई एवं भगवान झूलेलाल जी की विशाल शोभायात्रा एवं बहराणा साहब की अखंड ज्योति की शोभा यात्रा निकाली गई जगह जगह समाज के लोगों ने ज्योति दर्शन कर शोभायात्रा में शामिल लोगों का मिष्ठान शर्बत इत्यादि से स्वागत किया शोभायात्रा सिंधी धर्मशाला से शुरू होकर घंटाघर कटरा बाजार होते हुए काली माता मंदिर से सिंधी कॉलोनी होते हुए एसबीआई चौराहे से चंडी देवी मंदिर होते हुए मंगल भवन में समाप्त हुई सिंधी समाज का छैला नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा नन्हे मुन्ने बाल गोपाल भगवान झूलेलाल के रुप में काफी आकर्षक लग रहे थे।समाज के महिला पुरूष सभी लोग कौन नाचते गाते आयोलाल झूलेलाल का उद्घोष करते हुए नाचते चल रहे थे पूरा शहर भगवान झूलेलाल के जयकारों से गूंज उठा था सभी ने एक-दूसरे को हिंदू नववर्ष एवं चेटीचंड एवं झूलेलाल जयंती की बधाईयां दी।

डीपीसी अजय गुप्ता द्वारा छात्रवासों से प्रत्येक माह की जा रही अवैध वसूली वार्डन परेशान, ऑडिट के नाम पर हुई जमकर वसूली

डीपीसी की भ्रष्टाचारी की लगातार खुल रही पोल

पन्ना। पन्ना जिले में भ्रष्टाचारियों के हौसले इस कदर बुलंद है कि सरेआम निचले स्तर के कर्मचारियों से विभाग प्रमुख वसूली करने में लगे हुए हैं लोगों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भी की जाती है लेकिन उक्त शिकायतों पर कोई कार्रवाई न होने से संबंधित विभागों के भ्रष्ट अधिकारियों के हौसले बुलंद हैं , इसी प्रकार का मामला शिक्षा विभाग से संबंधित सर्व शिक्षा अभियान का है जहां पर डीपीसी अजय गुप्ता द्वारा विभाग में लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा है लैपटॉप घोटाला, मान्यता घोटाला के अलावा विभाग के माध्यम से संचालित एक दर्जन छात्रावासों का है जहां पर अध्यनरत छात्र छात्राओं के निवाला पर भी डाका

डाला जा रहा है । छात्रावास के वार्डन अधीक्षकों ने नाम उल्लेख न करने की शर्त पर बताया कि हम लोगों से प्रत्येक माह डीपीसी द्वारा कमीशन के रूप में मोटी रकम की मांग की जाती है, यदि जो नहीं देता है उसे हटाने तथा अलग-अलग तरीकों से परेशान किया जाता है, उदाहरण स्वरूप गुनौर छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती संदीपती सिंह का हाल सभी देख ही चुके है, जल्द ही एक अन्य अधीक्षिका इनके कोप भाजन का शिकार होने वाली है, जिसका षड्यंत्र रचा जा रहा है, जिसका अभी अंदेशा लगाया जा रहा है, क्यूंकि किसी को वहां पदस्थापित जो करना है, ऐसे कई हैरतअंगेज कारनामे आप पहले भी कर चुके हैं बिना लिंक शाला के कई छात्रावास अधीक्षिकाओ को नियम विरुद्ध जाकर इन्होंने छात्रावासों का प्रभार सौंपा है। इसी प्रकार सभी छात्रावासों में सामग्री खरीदी पन्ना जिला मुख्यालय में स्थित एक दुकान से कराई जाती है, जिसमें भी इनका कमीशन तय है विभाग के सभी कर्मचारी श्री गुप्ता की कार्य प्रणाली से भारी परेशान है विभाग से संबंधित निर्माण कार्यों जैसे शौचालय बाउंड्री वॉल तथा अन्य निर्माण कार्य में भी जमकर कमीशन लिया जाता है इन्होंने विगत 3 वर्ष के दौरान भारी संपत्ति एकत्रित कर ली है। जिन अधिकारियों के ऊपर आए दिन भ्रष्टाचार के आरोप आए दिन लग रहे है, उनसे सत्तापक्ष के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को भी दूरी बनाकर रखना चाहिए। जिले के लोगों ने संबंधित डीपीसी गुप्ता के खिलाफ कार्यवाही करने तथा संपत्ति की जांच कराए जाने एवं कार्यवाही करने की मांग की है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज युवा मोर्चा के पदाधिकारी नियुक्त

पन्ना। पन्ना नव रात्रि व नव वर्ष प्रथम दिवस के पावन अवसर पर भगवन श्री जुगुल किशोर जी के दर्शन उपरांत अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज युवा मोर्चा के पदाधिकारियों का मनोनयन प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा पंडित अजय तिवारी द्वारा किया गया , जिसमें अजय पांडे को प्रदेश उपाध्यक्ष रवि रावत को पन्ना जिला अध्यक्ष तथा रोहित द्विवेदी को छतरपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया इस दौरान पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एल के तिवारी द्वारा पट्टा माला पहनाकर स्वागत किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे सभी पदाधिकारियों ने संगठन का कार्य निष्ठा एवं लगन से करने की घोषणा की सभी नियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित सदस्यों द्वारा बधाई दी गई बधाई देने वालों में राजू धामी रोहित द्विवेदी मंगल मिश्रा श्याम दत्त गर्ग विशाल परिहार आदि ने सभी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सिमरिया में पागल कुत्ते का आतंक

आधा दर्जन बच्चो को बनाया शिकार

पन्ना

पन्ना जिले के सिमरिया कस्बा में पागल कुत्तों का आतंक है एक ही दिन में आधा दर्जन लोगों को पागल कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है जानकारी के अनुसार.

सिमरिया कस्बे में एक पागल कुत्ते ने जमकर उत्पात मचाया, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया है। इस आवारा कुत्ते ने राह चलते करीब आधा दर्जन बच्चों पर अचानक हमला कर उन्हें बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। कुत्ते के हमले में सबसे ज्यादा शिकार मासूम बच्चों हुए हैं। घायलों में अयान खान (9 वर्ष), ऋषिका वर्मा (6 वर्ष) और प्रिंस वर्मा (12 वर्ष) शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद इन तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने उन्हें

तत्काल जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर कर दिया है।

लोगो का कहना है कि कुत्ता इतना आक्रामक है कि वह सामने आने वाले हर व्यक्ति पर झपट रहा है। घटना के बाद से परिजनों में भारी आक्रोश और डर है। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायत से मांग की है कि खूंखार कुत्ते को तुरंत पकड़ा जाए ताकि किसी बड़ी अनहोनी को रोका जा सके। फिलहाल, लोग अपने बच्चों को घरों से बाहर निकालने में कतरा रहे हैं।

मनीष गुप्ता नगर अध्यक्ष बने

पन्ना। पन्ना वैश्य महासम्मेलन जिला पन्ना के अध्यक्ष मनोज केसरवानी ने जिला एवं नगर कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा की। मिलनसार व्यक्तित्व और समाज सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले बड़े बाजार निवासी मनीष गुप्ता (केसरवानी) को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जिला अध्यक्ष मनोज केसरवानी ने नवनियुक्त नगर अध्यक्ष मनीष गुप्ता को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समस्त वैश्य समाज को एकजुट करने और संगठन के विस्तार में उन्हें जिला इकाई का पूर्ण मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होगा। मनीष गुप्ता के नगर अध्यक्ष बनने पर उपस्थित समस्त स्वजातीय बंधुओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका भव्य स्वागत व अभिनंदन किया।

नवरात्रि पर अमानगंज के मंदिरों में उमड़ी आस्था, ज्वाला माता मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़

पन्ना। अमानगंज चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अमानगंज क्षेत्र के देवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से ही भक्तजन माता के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

नगर के प्रसिद्ध ज्वाला माता मंदिर में विशेष रूप से माता बहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। तड़के से ही महिलाएं एवं अन्य श्रद्धालु नंगे पांव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं और माता रानी से सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान भक्तजन व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा कर रहे हैं। कई स्थानों पर कलश स्थापना, ज्योत प्रज्वलन और दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन किया जा रहा है। मंदिरों में जय माता दी के जयकारों से वातावरण गूंज रहा है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समितियों द्वारा व्यवस्थाएं भी की गई हैं, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नवरात्रि के इन पावन दिनों में अमानगंज क्षेत्र पूरी तरह भक्ति और आस्था में सराबोर नजर आ रहा है।

त्यौहारों के दृष्टिगत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी निर्धारित

पन्ना। पन्ना कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर चैत्र नवरात्रि पर्व सहित 21 मार्च को ईद उल फितर, 27 मार्च को रामनवमी तथा 31 मार्च को महावीर जयंती पर्व पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुविभागीय एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी निर्धारित की गई है, जिसके तहत पन्ना जिला अंतर्गत संबंधित अनुभाग एवं तहसील क्षेत्र में एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को कानून व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए दायित्व सौंपे गए हैं। आयोजन के दौरान समस्त अनुविभागीय मजिस्ट्रेट एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र अंतर्गत कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होंगे। साथ ही समय-समय पर उत्पन्न गतिविधियों की सूचना से अपर जिला मजिस्ट्रेट तथा जिला मजिस्ट्रेट को अवगत कराया जाएगा।

सीड ग्रेडिंग प्लांट स्थापित कर रोहित अग्रवाल ने सुनिश्चित की तरक्की की राह

पन्ना। पन्ना निवासी युवा उद्यमी रोहित अग्रवाल ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर वार्ड क्रमांक 28 जनकपुर में अपनी पुश्तैनी जमीन पर सीड ग्रेडिंग प्लांट की स्थापना की है। कक्षा 12वीं तक शिक्षित 32 वर्षीय रोहित ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के माध्यम से क्रियान्वित इस महत्वाकांक्षी योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 7 लाख 13 हजार रूपए का ऋण प्राप्त कर सीड ग्रेडिंग मशीन की

इकाई स्थापित की। योजना में 2 लाख 49 हजार रूपए की सब्सिडी भी मिली। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की योजनाओं से उद्यम स्थापना के इच्छुक युवक युवतियों को बहुत सहूलियत प्राप्त हुई है। विभागीय अधिकारियों एवं रिसोर्स पर्सन की मदद से आसानी से समस्त वांछित प्रक्रियाओं को पूर्ण कर योजना का लाभ लेने वाले रोहित ने बताया कि सीड ग्रेडिंग मशीन से गेहूं, चना, जौ, सरसों इत्यादि स्कंध की ग्रेडिंग कर मांग अनुसार स्थानीय बाजार में उपलब्ध कराया जाता है। किसानों को क्वालिटी बीज तैयार कर प्रदान करते हैं। वर्तमान में औसत मासिक आमदनी 30 हजार रूपए प्रतिमाह तक है। सीड ग्रेडिंग प्लांट में 5 व्यक्तियों को भी रोजगार मिला है।

मंत्री लोधी सांसद ने किया नवीन कार्य का भूमिपूजन

दमोह जिले की जबेरा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मंडल तेजगढ़ में विकास कार्यों को स्थानीय विधायक एवं मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, दमोह सांसद राहुल सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे जी ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया। सबसे पहले, पतलोनी गांव में 17.04 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन तालाब का लोकार्पण किया गया। यह तालाब स्थानीय किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा, क्योंकि इससे सिंचाई की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, ग्रामीणों के दैनिक उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। इसके साथ ही, तेजगढ़ से तहसील मार्ग तक 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सी.सी. रोड का भूमिपूजन किया गया। इस सड़क के निर्माण से आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा। खासकर बारिश के मौसम में जो समस्याएं ग्रामीणों को झेलनी पड़ती थीं, उनसे काफी राहत मिलेगी। यह सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान, पूर्व सांसद चंद्रभान सिंह लोधी द्वारा स्थापित श्री राधेश्याम पेट्रोल पंप का भी शुभारंभ किया गया।

इस सुविधा के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को ईंधन के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में, लगातार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचें और किसानों तथा आम नागरिकों को बेहतर जीवन के अवसर मिलें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राहुल सिंह लोधी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व सांसद चंद्रभान सिंह लोधी, सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, मूरत सिंह, भाजपा जिला मंत्री भारत सिंह, रानू नामदेव, विनीता कुलस्ते, कृष्ण प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष तेजगढ़ संग्राम सिंह, तेंदूखेड़ा मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, नोहटा मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह, तारादेही मंडल अध्यक्ष डॉ. मनोहर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। मंत्री ने कहां कि यह आयोजन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा तथा क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

अंबर नदी हत्याकांड का खुलासाः लिव-इन पार्टनर ही निकला कातिल, भाई संग मिलकर रची साजिश

भेरूंदा-सीहोर

भेरूंदा थाना क्षेत्र के ग्राम नंदगांव के पास अंबर नदी में मिली अज्ञात महिला की लाश के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली है। करीब 20 दिनों की सघन जांच, तकनीकी साक्ष्यों और अंतरराज्यीय समन्वय के बाद पुलिस ने हत्या की इस वारदात का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर ने अपने सगे भाई के साथ मिलकर की थी। दोनों ने साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को अंबर नदी में फेंक दिया था। हालांकि हत्या की वारदात अन्य थाना क्षेत्र में होने के कारण भेरूंदा पुलिस ने शून्य (जीरो) पर मामला दर्ज कर केस डायरी संबंधित थाने को सौंप दी है।

पुलिस की जांच में ऐसे खुला राजः एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने बताया, 25 फरवरी को अंबर नदी के पुल के पास एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। पंचनामा कार्रवाई के बाद डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया, लेकिन शिनाख्त नहीं होने पर 27 फरवरी को शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी घनश्याम दांगी के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच तेज की गई। उन्होंने बताया,

सोशल मीडिया, रेडियो मैसेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पहचान के प्रयास किए गए, जिनमें सफलता मिली।

पहचान के लिए चलाया गया अभियान : सोशल मीडिया और रेडियो मैसेज के जरिए सूचना प्रसारित तकनीकी साक्ष्यों (मोबाइल लोकेशन आदि) का सहारा अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय

जांच में सामने आया कि मृतका की पहचान राजीना बेगम (32) निवासी असम के रूप में हुई, जिसकी गुमशुदगी तेलंगाना में दर्ज थी। परिजनों द्वारा शिनाख्त के बाद 16 मार्च को पहचान स्पष्ट हुई।

शादी का दबाव बना हत्या की वजह : पुलिस जांच के मुताबिक, राजीना बेगम हैदराबाद में एक निजी कंपनी में कार्यरत थी। वहीं उसकी मुलाकात आरोपी नितेश यादव से हुई और दोनों लंबे समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे।

नितेश की सगाई दूसरी युवती से तय हो गई : इसके बाद राजीना ने शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया

दोनों के बीच लगातार विवाद बढ़ता गया : इसी विवाद के चलते आरोपी ने अपने भाई सचिन यादव के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

सुबह 4 बजे गला दबाकर की हत्या : 25 फरवरी की सुबह करीब 4 बजे आरोपी ने राजीना बेगम की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों भाइयों ने साक्ष्य मिटाने की योजना बनाई।

80 किलोमीटर दूर ले जाकर ठिकाने लगाया शव : शव को मोटरसाइकिल पर रखकर निकले थाना क्षेत्र से बाहर ले जाने की योजना बनाई करीब 80 किलोमीटर दूर अंबर नदी को चुना आधी रात पुल से नीचे फेंक दिया शव दोनों को लगा कि लंबी दूरी के कारण पुलिस तक कोई सुराग नहीं पहुंचेगा, लेकिन तकनीकी जांच ने पूरी साजिश का खुलासा कर दिया।

जीरो पर दर्ज हुआ मामला : चूंकि हत्या की घटना अन्य थाना क्षेत्र में हुई थी, इसलिए भेरूंदा पुलिस ने शून्य (जीरो) पर मामला दर्ज कर केस डायरी संबंधित थाने को भेज दी है।

पुलिस की बड़ी सफलता : 20 दिन में अंधे कत्ल का खुलासा : अंतरराज्यीय समन्वय से मिली सफलता दोनों आरोपी भाई गिरफ्तार हत्या का मामला दर्ज, आगे की कार्रवाई जारी यह पूरा घटनाक्रम एक बार फिर यह साबित करता है कि अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के हाथ लंबे होते हैं और अंततः सच्चाई सामने आ ही जाती है।

मेहरागांव मंदिर-मस्जिद के पास शराब दुकान हटाने की मांग पर हाईकोर्ट का फैसला, नई नीति में नियमों का पालन हो

शराब दुकान को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य के बयान के आधार पर याचिका निपटाई; 31 मार्च 2026 तक मौजूदा लाइसेंस, नई आबकारी नीति में होगी नई प्रक्रिया

इटारसी/मेहरागांव स्थित एक शराब दुकान को लेकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर खंडपीठ ने मंदिर, मस्जिद और बुद्ध विहार के पास संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण याचिका का निपटारा कर दिया है। बताया जाता है कि यह आदेश 17 फरवरी 2026 को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा एवं न्यायाधीश न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ द्वारा पारित किया गया।

मामला रिट याचिका क्रमांक 11410/2025 में याचिकाकर्ता प्रह्लाद अटनेरे द्वारा दायर किया गया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि संबंधित शराब दुकान मंदिर, मस्जिद और बुद्ध विहार जैसे धार्मिक स्थलों के पास स्थित है, जो राज्य की आबकारी नीति में निर्धारित दूरी के नियमों का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जी.एस. तोमर ने कोर्ट में यह तर्क रखा कि ऐसी स्थिति में दुकान को तत्काल अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

वहीं, राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता श्री स्वपनिल गांगुली ने इस दावे का खंडन करते हुए कोर्ट को अवगत कराया कि प्रदेश में शराब दुकानों के संचालन में आबकारी नीति का पूरी तरह पालन किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दुकान को नियमों के विरुद्ध अनुमति नहीं दी जाती।

सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि वर्तमान शराब दुकान का लाइसेंस 31 मार्च 2026 तक ही वैध है और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति के तहत सभी दुकानों के लाइसेंस का पुनः आवंटन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी नियमों, विशेष रूप से दूरी संबंधी प्रावधानों का सख्ती से पालन हो। सुनवाई के दौरान राज्य के इस आश्वासन को अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया और कहा कि यदि भविष्य में किसी प्रकार का उल्लंघन होता है तो याचिकाकर्ता संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जिस पर विधि अनुसार विचार किया जाएगा।

इसी आधार पर हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए मामले को समाप्त कर दिया। इस आदेश के साथ ही यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि राज्य सरकार नई आबकारी नीति के तहत नियमों के पालन को लेकर प्रतिबद्ध है।

भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चैतीचंद्र के पावन पर्व को श्री झूलेलाल मंदिर शाहपुरा में भव्य एवं श्रद्धा भाव से मनाया गया

शाहपुरा। झूलेलाल मंदिर में विकास 34 वर्षों से निरंतर आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सर्वप्रथम बहराना साहब की ज्योत प्रज्वलित की गई, अखों - पल्लव, आरती , अरदास कर शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं संत बंटी साईं गोस्वामी, वरिष्ठ समाजसेवी विवेक सारंग, भाजपा नेता पूर्व सांसद आलोक संजर जी, सुनील पांडे , राजकुमार विश्वकर्मा का समिति अध्यक्ष विकास वीरानी एवं महासचिव डी एम मोटवानी द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

बंटी साईं गोस्वामी ने संबोधित करते हुए कहा की संत संघर्ष से बनते हैं परोपकार से बनते हैं, आतंक को नाश करने के लिए अवतार लेकर समाज में पीड़ित पक्ष को संघर्ष कर सुरक्षा देने का काम किया है जो हम सभी के लिए प्रेरणा है। इसे पराक्रमी महापुरुषों को समाज में सर्वोच्च स्थान पर सम्मान दिया है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से

मंडल अध्यक्ष श्री पीयूष सिंह सिसोदिया जी, श्री निर्भय धाकड जी, श्री भगवत रघुवंशी जी,श्रीमती गुंजन चौकसे जी, श्रीमती शक्ति दुबे जी, श्री उत्कर्ष नायक जी, श्री संजय यादव जी, श्री सिद्धार्थ सोनवने जी सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रेलवे कर्मचारियों के हित में फिर सक्रिय हुआ पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ, बिना कागजी झंझट के इलाज की उठी मांग

इटारसी। रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक बार फिर पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ सक्रिय हो गया है। संघ ने उपचार के दौरान कर्मचारियों को होने वाली अनावश्यक परेशानियों को गंभीरता से उठाते हुए चिकित्सा व्यवस्था को अधिक सरल, सुगम और कर्मचारी हितैषी बनाने की मांग की है। संघ के महामंत्री अशोक शर्मा ने पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के चिकित्सा निदेशक को पत्र लिखकर अवगत कराया कि जिन कर्मचारियों के पास उम्मीद स्वास्थ्य पहचान पत्र उपलब्ध है, उन्हें इलाज के लिए अलग से बीमारी प्रमाण पत्र (सिक मेमो) लाने के लिए बाध्य करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारी का उपचार रेलवे चिकित्सालय में ही हो रहा है और वहां के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उसकी स्थिति से भली-भांति परिचित हैं, तो अतिरिक्त कागजी औपचारिकताओं का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान व्यवस्था में कर्मचारी को पहले बीमारी प्रमाण पत्र लाने, फिर कार्यालय में प्रस्तुत करने और उसके बाद उपचार की प्रक्रिया पूरी करने जैसे कई चरणों से गुजरना पड़ता है, जिससे समय और ऊर्जा दोनों की अनावश्यक हानि होती है। विशेष रूप से गंभीर स्थिति में यह प्रक्रिया कर्मचारियों के लिए और अधिक कष्टदायक हो जाती है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कई कर्मचारियों के परिवार में ऐसा कोई सदस्य नहीं होता जो इन औपचारिकताओं को समय पर पूरा कर सके। परिणामस्वरूप, बीमार कर्मचारी को इलाज से अधिक कागजी कार्यवाही में उलझना पड़ता है, जो मानवीय दृष्टिकोण से न केवल असंवेदनशील है, बल्कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य के साथ भी अन्याय है। मजदूर संघ ने स्पष्ट मांग की है कि उम्मीद स्वास्थ्य पहचान पत्र के आधार पर ही कर्मचारियों को बीमारी की स्वीकृति प्रदान की जाए और उन्हें बिना कागजी झंझट के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी ने किया सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन का अवलोकन

भोपाल। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी ने एयरपोर्ट रोड गांधीनगर स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया। इस दौरान के.एल. रामनानी एवं सेवा सदन के डायरेक्टर कुशल धर्मानी ने श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी को अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली उपचार सुविधाओं, आधुनिक तकनीक, अनुभवी डॉक्टरों की टीम तथा सेवा सदन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक मशीनों, साफ-सफाई, सुव्यवस्थित वार्डों तथा मरीजों के लिए बनाई गई सुविधाओं को देखा। उन्होंने कहा कि सेवा सदन का यह नया भवन न केवल भव्य है बल्कि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखकर अत्यंत सुव्यवस्थित तरीके से बनाया गया है। यहां पर मरीजों को जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, वे वास्तव में सराहनीय हैं। उन्होंने बताया कि सेवा सदन का उद्देश्य सदैव से ही जरूरतमंद मरीजों को बेहतर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों ने सेवा सदन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की तथा संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसके पूर्व श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी ने सुखमनी साहिब पाठ किया और हवन पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी, राजकुमार मूलचंदानी, ए.सी साधवानी, के.एल.रामनानी, कर्नल मदन देषपांडे, के.एल लोहाना, पी.जे माहेश्वरी, संत सेवक एल.सी जनियानी, हीरो केसवानी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

आराध्या तिवारी का सुयश रचा सफलता का कीर्तिमान

मण्डला-मण्डला जिले के राजीव कालोनी क्षेत्र के जिला मुख्यालय में सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम से संचालित स्कूल मोन्टफोर्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मण्डला में अध्ययनरत आराध्या तिवारी ने अपना सुयश दिखाया और एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

साधु वासवानी स्कूल में मनाया गया चैतीचांद का पावन पर्व

भोपाल। परमहंस संत शिरोमणि स्वामी हिरदाराम साहिब जी के आर्शीवाद एवं श्रद्धेय सिद्धभाऊजी की प्रेरणा से सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी ऑडीटोरियम में आज चैतीचांद (नर्व वर्ष) पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सॉई वरूण देवता झूलेलाल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए चैतीचांद पर्व की बधाईयॉ देते हुए कहा कि हम सभी अपनी संस्कृति को अवश्य याद रखें सभी के साथ मिल-जुलकर पर्व मनाएं विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ कार्यक्रम भी आवश्यक है ताकि हम अपनी संस्कृति व सभ्यता से अवगत हो सकें साथ ही हमें अपनी सिंधी जाति पर सदैव गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वासदेव वाधवानी जी उपस्थित हुए उन्होंने उन्होंने चैतीचांद के पर्व पर हार्दिक बधाईयां देते हुए कहा कि झुलेलाल सिंधी समाज के ईष्ट देव है वे सभी की मनोकामनाये पूर्ण करते है । आज से नवरात्र व नया वर्ष प्रारंभ हो रहा है भगवान झूलेलाल वरूण देवता की आज सभी जगह पूजा अर्चना की जाती है और धार्मिक कार्य भी आज के ही दिन सम्पन किये जाते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बसंत चेलानी ने चैतीचांद पर्व की सभी को बधाईयां देते हुए बताया कि आज मैं सभी को चैतीचांद, गुड़ीपड़वा एवं नर्व वर्ष की हार्दिक बधाईयां देता हूं। आज का दिन बहुत ही शुभ है हमें अपनी सिन्धी भाषा के मान को बढ़ाना है क्यों कि सिन्धी भाषा का भी बहुत महत्व है। कार्यक्रम में सुरेश जसवानी, महेश दयारामानी, नंद दादलानी, आइलदास साधवानी आदि गणमान्य नागरिकों ने चैती चांद, नूतन वर्ष पर्व की बधाईयां देते हुए कहा कि हम सिंधियों के लिए आज चैतीचांद है, आज ही दिवाली है, व आज ही होली है। आज के दिन हम यह संकल्प लें कि हम सिंधी एक जुट होकर रहेंगे, अपनी सिंधी भाषा का मान बढ़ाते हुए सदैव सिंधी भाषा का ही उच्चारण करेंगे एवं विद्यार्थी भी यह संकल्प लें कि अपने घरों में सभी के साथ सिंधी में बात करेंगें अपनी सिंधी भाषा का मान बढ़ाएंगे। इसी के साथ उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी सिन्धी भाषा पर गर्व होना चाहिए। हम सभी को सिन्धी बोलना चाहिए और सिन्धियत को आगे बढ़ाना चाहिए। चैतीचांद के पावन पर्व गुलाब जेठानी ने एक सुंदर गीत जेंखे झूलण जो मिलयो प्यार उन्हे हथे मथे करे सिन्धी गीत प्रस्तुत किया। विद्यालय की शिक्षिका बीना जेठानी एवं ज्योति सचदेवा द्वारा सिंधी गीत सिंधियुन जो आयो नयो साल सभई चओ झूलेलाल प्रस्तुत किया गया।

क्या यही मेरे उपदेशों का स्वरूप है? भगवान महावीर की काल्पनिक व्यथा और हमारा आत्ममंथन

भगवान महावीर जन्म कल्याणक इस वर्ष 30 या 31 मार्च को मनाया जाएगा। चेन्नई में जैन महासंघ ने 31 मार्च को मनाने का निर्णय लिया हैं। इसी विषय पर मित्रों के साथ चर्चा करते समय एक विचार उठा-यदि स्वयं भगवान महावीर आज इस धरती पर आ जाएँ, तो वे क्या अनुभव करेंगे? उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी? यह प्रश्न सुनते ही सभी गहरे चिंतन में डूब गए। कल्पना कीजिए, भगवान महावीर हमारे बीच उपस्थित होते और अपनी दृष्टि से आज की स्थिति को देखते। शायद वे कहते-÷मैंने तो राजपाट, वैभव और राजमहल को त्यागकर वैराग्य का मार्ग अपनाया था। वर्षों तक वृक्षों के नीचे ध्यान किया, शरीर और वस्त्र का भी भान नहीं रहा। मैं दिगम्बर हो गया, भोजन को भी नियति पर छोड़ दिया। कभी-कभी छह-छह महीने तक अन्न नहीं मिला, फिर भी संयम और साधना का पथ नहीं छोड़ा।

और आज मैं क्या देख रहा हूँ? मेरे नाम पर भव्य मंदिर बने हैं, यह देखकर प्रसन्नता हो सकती थी, परन्तु उनमें मेरी मूर्तियों को सोने-चाँदी और हीरे-जवाहरात से अलंकृत कर दिया गया है, जैसे मैं कोई प्रदर्शनीय वस्तु बन गया हूँ। जिन कपाटों को मैंने जीवन भर त्यागा, उन्हीं सोने-चाँदी के कपाटों में मुझे बंद कर दिया गया है। मैंने तो बहुत पहले ही निर्वाण प्राप्त कर जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पा ली, फिर मेरी मूर्ति में 'प्राण-प्रतिष्ठा' का यह आडंबर क्यों? ÷मेरे नाम पर आरती की बोली लगती है, अधिक धन देने वाला ही पूजा का अधिकारी बनता है। क्या भक्ति भी अब प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन का विषय बन गई है? जिस अपरिग्रह का मैंने उपदेश दिया, उसी के नाम पर परिग्रह की होड़ क्यों? जिस अहिंसा को मैंने जीवन का मूल मंत्र बनाया, उसी के नाम पर मन, वचन और व्यवहार में हिंसा क्यों पनप रही है?÷

÷मेरे नाम से चलने वाली शिक्षण और स्वास्थ्य संस्थाएँ यदि जरूरतमंदों को ही प्रवेश नहीं दे पा रहीं, तो उनका उद्देश्य क्या रह जाता है? क्या सेवा का स्थान अब केवल आर्थिक सामर्थ्य ने ले लिया है? मैंने तो सादगी, करुणा और समानता का मार्ग बताया था, फिर यह भेदभाव क्यों?÷

÷मैंने केवल पाँच सरल व्रत बताए थे- अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। परंतु आज उन्हीं सिद्धांतों को अलग-अलग व्याख्याओं में बाँटकर अनेक पंथ बना दिए गए हैं। मतभेद को मनभेद बना लिया गया है। अनेक ग्रंथों की रचना कर विचारों की समृद्धि तो बढ़ी, परंतु साथ ही टकराव भी बढ़ गया। क्या यह मेरे 'स्याद्वाद' के सिद्धांत का सही अनुसरण है, या उसकी आत्मा को भुला दिया गया है?÷

÷मेरे जीवन, मेरे परिवार, मेरे दीक्षा और मोक्ष के प्रसंगों को लेकर भी अलग-अलग कथाएँ गढ़ी जा रही हैं, और उन्हीं पर विवाद हो रहा है। क्या सत्य की खोज का स्थान अब अहंकार की तुष्टि ने ले लिया है? क्या धर्म अब साधना का मार्ग न रहकर पहचान और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बन गया है?÷÷मैंने तो सहज और सरल साधुचर्या का मार्ग दिखाया था, परंतु उसे भी कठिन क्रियाओं और बाह्य आडंबरों में बदल दिया गया है। क्या आत्मा की शुद्धि अब भीतरी साधना से होगी या बाहरी प्रदर्शन से?÷

इतना कहकर मानो भगवान महावीर मौन हो जाएँ÷और यह मौन ही हमारे लिए सबसे बड़ा प्रश्न बन जाए।

यह कल्पना मात्र नहीं, बल्कि हमारे भीतर झांकने का एक दर्पण है। यह हमें सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम धर्म के मूल तत्वों से भटक तो नहीं गए? कहीं हमने साधना को साधन और साधन को साध्य तो नहीं बना लिया?

आइए, इस जन्म कल्याणक पर केवल उत्सव न मनाएँ, बल्कि आत्ममंथन करें। हम प्रतिज्ञा करें कि भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलेंगे- अर्थ-संग्रह के स्थान पर *परिग्रह परिमाण * को अपनाएँगे,

प्रदर्शन के स्थान पर सरलता को स्थान देंगे, विभाजन के स्थान पर समन्वय को बढ़ावा देंगे, और धर्म को जीवन में उतारेंगे, केवल शब्दों में नहीं।

हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे, वाणी, वायु और जल प्रदूषण को कम करने का संकल्प लेंगे। अपने बंधुओं की सहायता तन, मन और धन से करेंगे, बिना किसी अहंकार या ऊँच-नीच की भावना के। तभी हम सच्चे अर्थों में भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को सार्थक बना पाएँगे-और शायद तब, यदि वे हमें देखेंगे, तो उनकी आँखों में वेदना नहीं, संतोष झलकेगा।

संपादकीय

आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया: स्थिर आय के बीच बेकाबू होती रसोई की कीमतें

जब किसी भी तरह के रोजगार से आय का स्तर ठहरा हुआ हो, जरिया सीमित हो, तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें उसकी पहुंच में हों या फिर कम से कम स्थिर रहें। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है, वह कई बार भारी पड़ता है। माना जाता है कि दिसंबर से फरवरी तक की अवधि में बाजार में सब्जियों की आवक ज्यादा होने की वजह से महंगाई काबू में रहेगी। मगर सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़ कर 3.21 फीसद हो गई। हालांकि जनवरी में यह 2.74 फीसद के स्तर पर रही थी। जाहिर है, सिर्फ एक महीने के भीतर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में तेज इजाफा हुआ और यह पिछले दस महीने के सबसे उच्च स्तर पर दर्ज किया गया। कहा जा सकता है कि फरवरी के आंकड़े के मुताबिक महंगाई दर चार फीसद से नीचे है, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि कीमतों के संदर्भ में जरूरी सामान तक आम लोगों की पहुंच किस हद तक आसान है। यह छिपा नहीं है कि रोजगार और आय की कसौटी पर देश की ज्यादातर आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। लंबे समय से स्थिर आमदनी और कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं। फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा। खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि ग्राहकों की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। इसी वजह से रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते समय खुदरा महंगाई को ही अपना आधार बनाता है। अगर खुदरा महंगाई की दर उसके तय दायरे यानी चार फीसद के बाहर चली जाती है तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है। महंगाई के ताजा आंकड़े फरवरी के हैं, जब पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं थे। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका की साझा जंग चल रही है, उसका बाजार में थोक और खुदरा महंगाई पर क्या असर पड़ेगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, युद्ध की वजह से तेल की सहज आपूर्ति को लेकर पहले ही कई तरह की आशंकाएं उभर रही थीं कि इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया। इसके बाद उस रास्ते से भारत में भी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और इसका असर बाजार पर पड़ना तय माना जा रहा है। फिलहाल खाना पकाने वाले गैस की कीमत में इजाफा और गैस सिलेंडरों की कमी की आशंका में लोगों के बीच मची अफरा-तफरी देखी जा सकती है। ऐसे में इस बात की आशंका गहरा रही है कि अगर युद्ध लंबा खिंचा और कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित रही, तो भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दाम पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके बाद माल ढुलाई में बढ़ोतरी के साथ स्वाभाविक रूप से बाजार में मौजूद सभी चीजें महंगी होंगी। जाहिर है, सरकार को आने वाले दिनों में हालात का आकलन कर महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

ममता बनर्जी के किले में इस बार लग सकती है सेंध, पूरे पश्चिम बंगाल में भाजपा ने बिछाई है जबरदस्त चुनावी बिसात

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली और दूसरी सूची जारी कर साफ संकेत दे दिया है कि इस बार वह आधी अधूरी तैयारी के साथ नहीं बल्कि पूरी ताकत, पूरी रणनीति और पूरी आक्रामकता के साथ मैदान में उतरी है। खासतौर पर दूसरी सूची में 111 उम्मीदवारों के नामों पर नजर डालने पर पता चलता है कि एक एक सीट पर गहरे मंथन के बाद उम्मीदवार तय किये गये हैं। हम आपको बता दें कि हिंगलगंज से रेखा पात्रा, खड़दह से कल्याण चक्रवर्ती, सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली, मथाभांगा से निसिथ प्रमाणिक, चोपड़ा से शंकर अधिकारी, बैरकपुर से कौस्तव बागची, कमरहाटी से अरूप चौधरी जैसे नाम सीधे चुनावी मुकाबले को और दमदार बना रहे हैं। इसके अलावा एंटाली से प्रियंका तिबरेवाल और मणिकतला से तपस रॉय जैसे उम्मीदवार राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखते हैं। अगर पहली सूची पर नजर डालें तो वहां भी बड़े नामों की भरमार है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर से उतारकर पार्टी ने सीधे ममता बनर्जी को चुनौती दे दी है। दिलीप घोष, स्वपन दासगुप्ता, अग्निमित्रा पाल, रुद्रनील घोष और बंकिम चंद्र घोष जैसे चेहरे इस चुनाव को हाई वोल्टेज बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार पार्टी ने सिर्फ चर्चित चेहरों पर नहीं बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी भरोसा दिखाया है। आउसग्राम से कलिता माजी जैसी साधारण पृष्ठभूमि की कार्यकर्ता को टिकट देना इसी रणनीति का हिस्सा है। इस चुनाव का एक और बड़ा और चौंकाने वाला पहलू है पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. राजेश कुमार का राजनीति में प्रवेश। यह सिर्फ एक उम्मीदवार का नाम नहीं बल्कि भाजपा की रणनीतिक चाल है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक अनुभव, वित्त और प्रबंधन में गहरी समझ और कानून व्यवस्था पर मजबूत पकड़ उन्हें एक अलग ही स्तर का नेता बनाती है। कोलकाता के पुलिस आयुक्त के रूप में उनका कार्यकाल, अपराध जांच विभाग और यातायात सुरक्षा जैसे अहम पदों पर उनकी भूमिका उन्हें आम नेता से अलग पहचान देती है। उनकी छवि एक सख्त लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी की रही है। मानव तस्करी के खिलाफ उनकी मुहिम और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए किए गए काम उन्हें जनता के बीच भरोसेमंद चेहरा बनाते हैं। भाजपा के लिए यह कदम इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि बंगाल में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में एक पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी का चुनावी मैदान में उतरना सीधे तौर पर संदेश देता है कि पार्टी व्यवस्था सुधारने के लिए गंभीर है। राजनीतिक रूप से भी यह दांव गहरा है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक और बौद्धिक कद भाजपा को उस वर्ग में भी मजबूती देगा जो अब तक तटस्थ रहा है। उनकी कानूनी लड़ाइयों ने यह भी साबित किया है कि वह दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। यह छवि भाजपा के लिए चुनाव में बड़ी पूंजी साबित हो सकती है। इस चुनाव को और भावनात्मक और विस्फोटक बनाने वाला मुद्दा है आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना। उस दर्दनाक घटना ने पूरे बंगाल को झकझोर दिया था। अब पीड़िता की मां का राजनीति में आने का संकेत यह बता रहा है कि जनता के भीतर गुस्सा अभी ठंडा नहीं हुआ है। महिलाओं का सड़क पर उतरना, रात भर प्रदर्शन करना और न्याय की मांग करना तृणमूल सरकार के खिलाफ एक बड़ा जनमत बना चुका है। माना जा रहा है कि पीड़िता की मां ने भाजपा से पनिहाटी से टिकट मांगा है। भाजपा उन्हें उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है क्योंकि पार्टी उस जनाक्रोश को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने की कोशिश कर रही है। हम आपको बता दें कि पनिहाटी उन 38 सीटों में शामिल है जहां से भाजपा ने अब तक अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किये हैं। इसके अलावा भाजपा ने सामाजिक समीकरणों पर भी खास ध्यान दिया है। अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने अपने आधार को और व्यापक बनाने का प्रयास किया है। उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण तक हर क्षेत्र में संतुलन साधने की रणनीति साफ दिख रही है। इसके अलावा भाजपा अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, स्थानीय चेहरों को आगे लाने और ममता सरकार के खिलाफ जन असंतोष को वोट में बदलने की रणनीति भी बहुत पहले ही बना चुकी है और उसी के आधार पर चुनाव प्रचार चलाया जायेगा। इसके अलावा, इस बार भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बदला हुआ दृष्टिकोण है। पिछली बार जहां पार्टी पर बाहरी चेहरों पर ज्यादा भरोसा करने का आरोप लगा था, इस बार उसने जमीनी कार्यकर्ताओं और विचारधारा से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी है।

इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है और संगठन ज्यादा मजबूत नजर आ रहा है। दूसरी तरफ तृणमूल सरकार पर कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार जैसे आरोप लगातार भारी पड़ रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा पूरे दमखम के साथ यह दावा कर रही है कि इस बार बंगाल में सत्ता परिवर्तन तय है। बहरहाल, उम्मीदवारों की सूची, पूर्व पुलिस आयुक्त जैसे मजबूत चेहरे की भाजपा में एंट्री, जमीनी कार्यकर्ताओं पर भरोसा और जनता के गुस्से को सही दिशा देने की रणनीति ने भाजपा को इस चुनाव में बेहद मजबूत प्रतिद्वंद्वी और सत्ता का सबसे प्रबल दावेदार बना दिया है।

भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता: बायोगैस और सीबीजी से कम होगा आयात, ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी होगी मजबूत

-वीरेंद्र कुमार विजय

वैश्विक ऊर्जा संकट, आयातित ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, भू-राजनीतिक अस्थिरता और तेजी से बिगड़ती पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। भारत की ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर एलपीजी और एलएनजी, वैश्विक घटनाओं पर अत्यधिक निर्भर है। इसने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि आयातित ऊर्जा पर अत्यधिक निर्भरता भारत के लिए दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित नहीं है। यही वह समय है, जब भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति को स्थानीय संसाधनों की ओर मोड़ना होगा।

ऐसे समय में बायोगैस और कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) एक प्रभावी, व्यावहारिक और स्वदेशी समाधान होगा, जो न केवल ऊर्जा संकट को कम कर सकता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि भारत अपने विशाल जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक व संगठित ढंग से उपयोग करे, तो 'ऊर्जा स्वराज' का सपना साकार किया जा सकता है और देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है। देश के 6.5 लाख से अधिक गांवों में हर वर्ष भारी मात्रा में कृषि अवशेष, गोबर, पशु अपशिष्ट, खाद्य अपशिष्ट और अन्य जैविक पदार्थ उत्पन्न होते हैं। शहरी क्षेत्रों में भी ठोस कचरा, होटल और रेस्टोरेंट का जैविक कचरा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का अपशिष्ट, चीनी मिलों से निकलने वाला प्रेसमड और अन्य औद्योगिक जैविक अपशिष्ट बड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। यदि इन्हें एकत्रित कर बायोगैस उत्पादन में परिवर्तित किया जाए, तो यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का भी स्थायी समाधान हो सकता है। विभिन्न अध्ययनों के आधार पर भारत में हर वर्ष लगभग 23-24 करोड़ टन फसल अवशेष उपलब्ध होता है। इससे लगभग 60 से 80 अरब घन मीटर बायोगैस उत्पन्न की जा सकती है। इसके अलावा, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 110-120 करोड़ टन गोबर, छह-आठ करोड़ टन शहरी ठोस अपशिष्ट तथा 7.5-8 करोड़ टन खाद्य अपशिष्ट उपलब्ध होता है। इनसे अरबों घन मीटर/वर्ष बायोगैस उत्पन्न की जा सकती है। इस बायोगैस को शुद्ध कर लाखों टन प्रति वर्ष कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्राप्त की जा सकती है। यह मात्रा भारत के परिवहन ईंधन की कुल मांग का लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक प्रतिस्थापित करने की क्षमता रखती है। इस दृष्टि से बायोगैस और सीबीजी न केवल वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, बल्कि देश के ऊर्जा आयात बिल को कम करने और विदेशी मुद्रा की बचत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब 1.2 करोड़ घरेलू बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की क्षमता है, जिनमें से करीब 51 लाख संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। यह दर्शाता है कि बायोगैस तकनीक भारत में सफलतापूर्वक कार्य कर सकती है और स्वच्छ ईंधन की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम है। बायोगैस संयंत्रों से निकलने वाला डाइजेस्ट उच्च गुणवत्ता वाला जैविक उर्वरक होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाकर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करता है। यह स्पष्ट है कि वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट भारत के लिए एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। भारत के गांवों में मौजूद जैविक संपदा को ऊर्जा में परिवर्तित करना केवल एक तकनीकी विकल्प नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता है। आज भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने स्थानीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग करे और एक आत्मनिर्भर, स्वच्छ व सतत ऊर्जा भविष्य की ओर अग्रसर हो।

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है। अगर अमेरिका बिना शर्त इजरायल का साथ देता रहा तो यह संघर्ष पूरी तरह ऊर्जा युद्ध में बदल जाएगा। लेकिन अगर वह दूरी बनाकर किसी समझौते की राह निकालता है, तभी हालात संभल सकते हैं।

बहरहाल, एक चीज साफ दिख रही है कि कूटनीति नाकाम होती जा रही है। बातचीत की जगह अब धमाके सुनाई दे रहे हैं। हर देश अपनी ताकत दिखाने में लगा है, लेकिन कोई भी यह नहीं सोच रहा कि इसका अंत कहां होगा। अगर अब भी दुनिया नहीं संभली तो अगला संकट सिर्फ ऊर्जा का नहीं होगा, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था को हिला देने वाला होगा। खाड़ी में लगी आग दूर बैठे देशों को भी झुलसा देगी। और तब शायद संभलने का मौका ही नहीं बचेगा।

-नीरज कुमार दुबे

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है।

तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है।

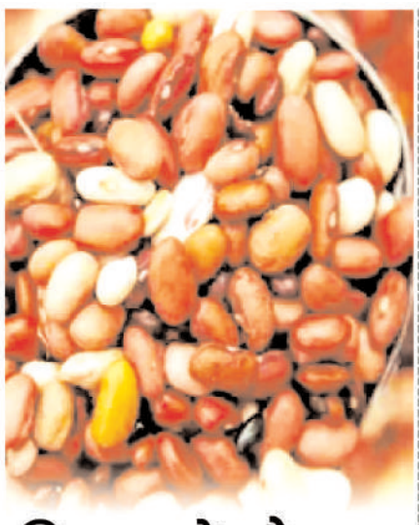

किचन में मौजूद ऐसी चीजें जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

एडवेंचर पसंद लोग कर सकते हैं यह चार तरह की एयर एक्टिविटी

हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है। कुछ लोगों को एडवेंचर करना काफी पसंद होता है और वह हमेशा ही कुछ मजेदार व साहसिक करने की फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए तरह-तरह के एयर स्पोर्ट्स करना एक अलग अनुभव हो सकता है। खासतौर पर, अगर आप पूरे सप्ताह काम करने के बाद वीकेंड पर खुद को एक बार फिर से रिचार्ज करना चाहती हैं और कुछ नया करने की इच्छा रखती हैं तो ऐसे में आपको इन एयर स्पोर्ट्स को एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

एक क्लिप से कूदना, रस्सियों से लटकना और कुछ कैनवास की मदद से हवा में उड़ने का अपना एक अलग ही आनंद होता है। अगर आप अपने जीवन में कुछ अलग व यादगार करना चाहते हैं तो यह एयर स्पोर्ट्स यकीनन आपको निराश नहीं करेंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जो आपके सपनों व जीवन जीने के तरीके को एक पंख देंगे-

पैराग्लाइडिंग का उठाएं लुत्फ

अगर आप एयर स्पोर्ट्स के जरिए एक असीम सुकून व आनंद का अनुभव करना चाहती हैं तो ऐसे में पैराग्लाइडिंग को एक बार जरूर आजमाएं। भले ही आप एक बिगनर है, लेकिन फिर भी पैराग्लाइडिंग का आनंद लिया जा सकता है, क्योंकि इसमें आपको असिस्ट करने के लिए एक एक्सपर्ट साथ में होता है। भारत में, कई स्कूल और फ्लाइंग क्लब पैराग्लाइडिंग और अन्य एयरोस्पोर्ट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। यह एयर एक्टिविटी भारत में बेहद पॉपुलर है और वर्तमान में कई हॉलिडे डेस्टिनेशन में पैराग्लाइडिंग करने की सुविधा मौजूद है। आप हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तराखंड व महाराष्ट्र आदि जगहों पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव कर सकते हैं।

स्काई डाइविंग

अन्य एयर स्पोर्ट्स की तुलना में स्काई डाइविंग यकीनन अधिक रिस्की है। इसे पैराशूटिंग भी कहा जाता है, जिसमें हवाई जहाज से लोग कूदते हैं और जमीन से हजारों फीट की ऊंचाई पर एक अलग ही एडवेंचर का अनुभव होता है। यह एक ऐसा एयर स्पोर्ट्स है, जो पिछले

कुछ वक्त में काफी पॉपुलर हुआ है। आप मैसूर, पुडुचेरी, हैदराबाद, अलीगढ़ जैसी जगहों पर स्काई डाइविंग का लुत्फ उठा सकती हैं।

विंगसूट फ़्लाइंग

विंगसूट फ्लाइंग एक खतरनाक एक्टिविटी है जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए जंपसूट के उपयोग की आवश्यकता होती है जिसे विंगसूट या बर्डमैन सूट के रूप में जाना जाता है। इस जंपसूट में दो आर्म विंग और एक लेग विंग होता है। विंगसूटर आगे की गति, दिशा और लिफ्ट को नियंत्रित करने के लिए अपने शरीर का उपयोग करता है। हालांकि, विंगसूट फ़्लाइंग करना हर किसी के लिए संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। फिलहाल भारत में विंगसूट फ़्लाइंग अभी उतनी पॉपुलर नहीं हुई है।

करें हॉट एयर बैलून राइड

हॉट एयर बैलूनिंग सबसे एडवेंचर्स स्पोर्ट्स में से एक है जो आपको जमीन से कई फीट ऊंचाइयों तक ले जाकर आसपास के नजारों को एक नए तरीके से दिखाता है। हालांकि भारत में, एक एडवेंचर्स एक्टिविटी के रूप में हॉट एयर बैलूनिंग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। लेकिन फिर भी रोमांच पसंद लोग इसका आनंद उठाना पसंद करते हैं। अगर आप भारत में रहकर हॉट एयर बैलून का मजा उठाना चाहते हैं तो आपको राजस्थान की यात्रा करनी चाहिए। खासतौर से, पुष्कर ऊंट उत्सव के दौरान हॉट एयर बैलूनिंग राजस्थान एक्टिविटी के मुख्य आकर्षणों में से एक है। राजस्थान, द रॉयल स्टेट ऑफ इंडिया भारत में हॉट एयर बैलूनिंग के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

इन चीजों से अपने फॉर्मल लुक को बनाएं स्टाइलिश

कैजुअल और पार्टी वियर लुक में जान डालने के लिए तो हमारे पास कई विकल्प होते हैं, लेकिन जब बात आती है फॉर्मल लुक की तो समझ नहीं आता कि क्या पहनें!

जॉब करने वाली लड़कियों के पास एक्सपेरिमेंट करने के लिए बहुत कम स्कोप होता है। क्योंकि फॉर्मल के साथ अगर आप कुछ भी उल्टा सीधा पहनेंगी तो एक तो आपको ऑफिस में टोक दिया जाएगा और दूसरा आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं। इसी डर के कारण लड़कियां फॉर्मल लुक के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करती हैं। लेकिन आपको यह बता दें कि अगर एक बार आपको स्टाइल की नॉलेज हो जाए तो आप अपने फॉर्मल लुक को भी कूल और स्टाइलिश बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें कैरी कर के आप अपनी बोरिंग सी ड्रेस में भी जान डाल सकती हैं।

क्राउन स्टाइल हेयरबैंड

हेयर एक्सेसरीज पहनकर भी आप अपने फॉर्मल लुक को सबसे अलग दिखा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको कोई टोकेगा भी नहीं। हेयर एक्सेसरीज में आजकल क्राउन स्टाइल हेयरबैंड ट्रेंड में है, जैसे कि सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर विभु महापात्र का लेटेस्ट कलेक्शन। इस तरह के हेयरबैंड आपको किसी भी मार्किट में मिल जाएंगे।

रिस्ट वॉच

अगर आपको यह लग रहा है कि अब रिस्ट वॉच फैशन में नहीं है तो हम आपको यह क्यों सजेस्ट कर रहे हैं! तो बता दें कि फॉर्मल ड्रेस के साथ रिस्ट वॉच हमेशा से फैशन का हिस्सा रही है। अगर आप फिल्मों में किसी एक्ट्रेस को फॉर्मल लुक में दिखेंगी तो वह भी रिस्ट वॉच ही कैरी करती हैं। इसलिए अगर आप भी अपने फॉर्मल लुक को बोल्ड और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो रिस्ट वॉच पहनें।

फुटवियर और हैंडबैग

फुटवियर और हैंडबैग ऐसी चीजें हैं जिन्हें फॉर्मल लुक के साथ जॉब करने वाली लड़कियों के पास एक्सपेरिमेंट करने के लिए बहुत कम स्कोप होता है। क्योंकि फॉर्मल के साथ अगर आप कुछ भी उल्टा सीधा पहनेंगी तो एक तो आपको ऑफिस में टोक दिया जाएगा और दूसरा आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं। इसी डर के कारण लड़कियां फॉर्मल लुक के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करती हैं। लेकिन आपको यह बता दें कि अगर एक बार आपको स्टाइल की नॉलेज हो जाए तो आप अपने फॉर्मल लुक को भी कूल और स्टाइलिश बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें कैरी कर के आप अपनी बोरिंग सी ड्रेस में भी जान डाल सकती हैं।

क्राउन स्टाइल हेयरबैंड

हेयर एक्सेसरीज पहनकर भी आप अपने फॉर्मल लुक को सबसे अलग दिखा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको कोई टोकेगा भी नहीं। हेयर एक्सेसरीज में आजकल क्राउन स्टाइल हेयरबैंड ट्रेंड में है, जैसे कि सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर विभु महापात्र का लेटेस्ट कलेक्शन। इस तरह के हेयरबैंड आपको किसी भी मार्किट में मिल जाएंगे।

रिस्ट वॉच

अगर आपको यह लग रहा है कि अब रिस्ट वॉच फैशन में नहीं है तो हम आपको यह क्यों सजेस्ट कर रहे हैं! तो बता दें कि फॉर्मल ड्रेस के साथ रिस्ट वॉच हमेशा से फैशन का हिस्सा रही है। अगर आप फिल्मों में किसी एक्ट्रेस को फॉर्मल लुक में दिखेंगी तो वह भी रिस्ट वॉच ही कैरी करती हैं। इसलिए अगर आप भी अपने फॉर्मल लुक को बोल्ड और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो रिस्ट वॉच पहनें।

फुटवियर और हैंडबैग

फुटवियर और हैंडबैग ऐसी चीजें हैं जिन्हें फॉर्मल लुक के साथ

बहुत सोच समझकर चुनना चाहिए। अगर फुटवियर की बात करें तो आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हील्स वाली सैंडल पहन सकती हैं। लेकिन ध्यान रहे हमेशा कम्फरटेबल हील्स ही पहनें। वहीं, आजकल लॉन्ग बैग फैशन में हैं, आप इन्हें भी पहन सकती हैं।

नेकपीस

अपने ऑफिस लुक को क्लासी और स्टाइलिश बनाने के लिए आप फॉर्मल के साथ नेकपीस कैरी कर सकती हैं। आजकल मिनिमल जूलरी ट्रेंड में हैं, ये ऑफिस के लिए एकदम बेस्ट हैं। ये शर्ट और ड्रेस हर किसी के साथ जचते हैं। आप गोल्ड या प्लेटिनम वाली छोटे पैंडल की नेकपीस भी पहन सकती हैं।

सनग्लासेज

सनग्लासेज भी आपके फॉर्मल लुक में चार चांद लगाते हैं इसलिए इन्हें भी आप अपने फेस के अनुसार सही शेप और कलर में कैरी कर सकती हैं। साथ ही आजकल फैंसी स्टाइल में नजर के चश्मे भी आ रहे हैं। आप ऑफिस में पूरे टाइम इन्हें पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं। कहने का मतलब यह है कि सनग्लासेज कैरी कर के भी आप अपने फॉर्मल लुक में जान डाल सकती हैं।

गर्मियों के लिए बेस्ट रहेंगी ऑर्गेंजा साड़ी

साड़ी को स्टाइलिश लुक देने के लिए आप बॉडी के अनुसार ही इसकी ड्रेपिंग करें। इसके लिए आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करें।

साड़ी पहनना हम सभी को पसंद होता है। मार्केट में आपको आजकल साड़ी में रेडीमेड डिजाइन भी देखने को मिल जाएंगे। वहीं गर्मी के मौसम में पतले और स्किन फ्रेंडली फैब्रिक की साड़ियां पहनना सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। आजकल की बात करें तो सिल्क में ऑर्गेंजा साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आइये देखते हैं ऑर्गेंजा साड़ी के कुछ खास डिजाइंस और बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के कुछ आसान टिप्स।

लेस डिजाइन साड़ी

लेस डिजाइन में साड़ी के काफी सारे डिजाइन आपको देखने को मिल जाएंगे। गोटा-पट्टी इसमें सबसे ज्यादा चलन में रहती है। इस तरह के साड़ी डिजाइन आपको मार्केट में 2,500 रुपये तक में आसानी से मिल जाएंगे। लुक के साथ में आप पेटीकोट की जगह शेप वियर को पहन सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन साड़ी

ऑर्गेंजा में आपको फ्लोरल वर्क में काफी खूबसूरत और कलरफुल डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में लगभग 2,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी। इस लुक के साथ में आप मैचिंग कलर का स्लीवलेस ब्लाउज सिलवाकर पहन सकती हैं।

हैवी बॉर्डर वर्क साड़ी

किसी फंक्शन में जाने के लिए साड़ी ढूंढ रही हैं तो इस तरह के हैवी बॉर्डर वर्क वाली साड़ी खरीद सकती हैं। हैवी वर्क में आपको फैंसी डिजाइन में काफी सारे साड़ी के ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। इस तरीके की खूबसूरत साड़ी आपको मार्केट में लगभग 4,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

कार्यकर्ता ही संगठन की पूंजी है : विश्वामित्र

दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

सिंगरौली। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत मंडल बहरी एवं मायापुर में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न हुआ कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां भारती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत सुभारम्भ हुआ।

विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने प्रशिक्षण वर्ग में अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है एकात्म मानव वाद का सिद्धांत संगठन की मूल आत्मा है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सेवा पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हम उस राजनीतिक पार्टी से है जहां कार्यकर्ता ही संगठन की असली पूंजी है, भाजपा की विचार धारा अन्य पार्टियों से अलग है, उन्होंने कहा कि विपक्ष क्षेत्र का विकास होते देख केवल विरोध करने पर आमादा है, क्षेत्रीय विधायक ने कार्य शाला में कार्य कर्ताओं को राज्य सरकार की कई उपलब्धियों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि हमारी सरकार ने लोक गारंटी सेवा अधिनियम लागू कर हर नागरिक का काम आसान किया, हर एक परिवार को मुफ्त राशन देने का काम कर रही है चाहे लाडली लक्ष्मी योजना हो या लाड़ली बहना योजना के माध्यम से हर महीने 1500 रु देने का काम कर रही है जिससे हमारी बहनों की आर्थिक समस्या दूर हुई, देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से 6000 रुपए एवं प्रदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री के द्वारा किसानों को 6000 रुपए कुल मिलाकर साल में 12000 रु देने का काम कर रही है जिससे किसान समृद्ध हों ऐसे अनेकों योजनाएं हैं।कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्षद्धा देव कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षी उद्बोधन में कहा कि भाजपा के पदाधिकारियों एवं बूथ अध्यक्षो को सभी प्रशिक्षण में सम्मिलित होना चाहिए और उन्होंने कहा कि हम अनुशासन , समर्पण, और सेवा भाव यही असली भाजपा कार्यकर्ता की पहचान है और अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण समर्पण से अपना योगदान दे। इस अवसर पर रीवा संभाग के सह प्रभारी के के तिवारी, मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष शिवकुमारी जायसवाल, शिव दान साकेत, लोरिक प्रसाद यादव, पुनीत पाण्डेय, राजमणि साहू, अशोक शुक्ला, दिलीप सोनी, अवधेश सिंह, श्रीमती कविता तिवारी, गंगा साकेत, गोपाल द्विवेदी, सरोज साकेत, श्याम लाल यादव, योगेन्द्र नाथ पाठक, विष्णु प्रधान, नीरज सिंह, रविशंकर पाठक, पुष्पराज सिंह, सुभाकर द्विवेदी, हीरा यादव, मनीष विश्वकर्मा, रितेश गुप्ता, राजकुमार नेटी सहित पदाधिकारी गण, बूथ अध्यक्ष गण, बीएलए 2, महामंत्री एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने किया गैस एजेंसियों का निरीक्षण

सिंगरौली। जिले में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विगत दिवस जिला आपूर्ति अधिकारी एवं नोडल अधिकारी एलपीजी के द्वारा अंजली गैस एजेंसी, भारत गैस बैढ़न एवं हरिहर इंडेन विन्ध्यनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गैस एजेंसी संचालकों एवं उपभोक्ताओं से सीधा संवाद कर जमीनी स्थिति की जानकारी ली गई। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि कई उपभोक्ता अब गैस समाप्त होने पर तुरंत रीफिल प्राप्त करने के लिए एजेंसी पहुंच रहे हैं, वहीं उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया भी की जा रही है। बड़ी संख्या में उपभोक्ता ई-केवाईसी कराने एजेंसियो में पहुच रहे इस कारण एजेंसियो के सामने लाईन लग रही है। इसके अलावा नए नियमों के तहत निर्धारित समय सीमा के अनुसार गैस बुकिंग की व्यवस्था लागू होने से वितरण प्रणाली और अधिक व्यवस्थित हुई है।

निगरी के मौहरी टोला स्थित तालाब के गहरीकरण एवं गाद निकासी कार्य का प्रभारी मंत्री ने किया शुभारंभ

जल संरक्षण के कार्य को केवल शासन की योजना न समझें, बल्कि इसे अपनी जिम्मेदारी मानकर इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं: सम्पतिया उईके

सिंगरौली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके मंत्री मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग ने निगरी के मौहरी टोला स्थिति तालाब के गहरीकरण एवं गाद निकासी कार्य का विधिवत भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर उपस्थित ग्रामीण जनो को संबांधित करते हुयें प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज हम सब मौहरी टोला, ग्राम पंचायत निगरी, विकासखंड देवसर में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य तालाब गहरीकरण एवं जल संरचना संवर्धन के लिए एकत्रित हुए हैं। यह केवल एक विकास कार्य नहीं, बल्कि हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का एक सामूहिक प्रयास है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि निगरी क्षेत्र में कुल 5 जल संरचनाएं हैं, जिनमें से यह प्रमुख तालाब लगभग 2.50 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। इस तालाब का गहरीकरण हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है, ताकि हम वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन कर सकें और आने वाले समय में जल संकट से बच सकें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि जल ही जीवन है। यदि आज हम जल का संरक्षण नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। तालाब के गहरीकरण से न केवल भू-जल स्तर बढ़ेगा, बल्कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा, पशुओं के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और पूरे क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन भी बेहतर होगा । उन्होने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करती हूँ कि इस कार्य को केवल शासन की योजना न समझें, बल्कि इसे अपनी जिम्मेदारी मानकर इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। जब जनभागीदारी जुड़ती है, तो हर अभियान सफल होता है।कार्यक्रम में कलेक्टर इस अवसर पर गौरव बैनल, पुलिस अधीक्षक मनीष खंत्री, सीईओ जिला पंचायत जगदीश गोमे, जनपद अध्यक्ष देवसर प्रणव पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह तथा जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ अरविंद डामोर सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन में सिंगरौली पुलिस का दमदार प्रदर्शन, प्रदेश में दूसरा स्थान

90.78 फीसदी वेटेज स्कोर के साथ 'ए' ग्रेडिंग, 983 शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण

सिंगरौली। सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायतों के त्वरित और संतोषजनक निराकरण को लेकर सिंगरौली पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। 20 मार्च 2026 को जारी जिलेवार ग्रेडिंग में सिंगरौली जिले ने 90.78 प्रतिशत वेटेज स्कोर हासिल कर ए ग्रेडिंग प्राप्त की और प्रथम समूह में प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत, पुलिस उप महानिरीक्षक हेमंत चौहान के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन में संभव हो सकी। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री और उनकी टीम ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मुलाकात कर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया, जिससे आमजन में संतोष का स्तर बढ़ा। फरवरी 2026 के दौरान कुल 1072 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 983 का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया गया। यह जिले के लिए अब तक की एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। शिकायतों में सबसे अधिक 25 प्रतिशत मामले मारपीट से जुड़े रहे, जबकि 18 प्रतिशत जमीनी विवाद, 10 प्रतिशत आपसी विवाद, 9 प्रतिशत पारिवारिक, 9 प्रतिशत लेनदेन और 9 प्रतिशत महिला संबंधी शिकायतें शामिल रहीं। निराकरण स्तर की बात करें तो 828 शिकायतें लेवल-1, 115 लेवल-2, 37 लेवल-3 और 3 शिकायतें लेवल-4 पर सुलझाई गईं। जिले के विन्ध्यनगर, महिला थाना, मोरवा, गढ़वा, निगरी, निवास, तिनगुड़ी और नौड़िहवा थानों ने 95 प्रतिशत से अधिक वेटेज स्कोर हासिल किया, जबकि अन्य थानों का प्रदर्शन भी 85 प्रतिशत से ऊपर रहा।पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने इस उपलब्धि पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी सहित सभी थाना-चौकी प्रभारियों, साइबर सेल और शिकायत शाखा की टीम को बधाई दी। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए टीम को नगद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन भी किया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आगे भी शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग और त्वरित निराकरण की प्रक्रिया जारी रहेगी, जिससे आमजन को समय पर न्याय मिल सके।

एलपीजी गैस की आपूर्ति हेतु जिला स्तर पर कंट्रोल रूम गठित

सिंगरौली। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम गठित अधिकारी कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। कंट्रोल रूम में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सनी कुमार पटेल को प्रभावित अधिकारी तैनात किया गया है उनका मोबाइल नंबर 9977033164है। उनके साथ ही राहुल पनिका डाटा एंट्री ऑपरेटर मोबाइल नंबर 7089044871 तथा अतुल तिवारी डाटा एंट्री ऑपरेटर मोबाइल नंबर 823400856 को सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ता उक्त नंबरों पर कॉल कर एलपीजी गैस वितरण के संबंध में आ रही शिकायतों का निराकरण कर सकते हैं।

गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक : एनटीपीसी सिंगरौली में ईद-उल-फितर हर्षोल्लास, भाईचारे और सामुदायिक एकता के साथ मनाया गया

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली, शक्तिनगर में इस वर्ष भी ईद-उल-फितर का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य इफ्तार एवं ईद मिलन समारोह में एनटीपीसी कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को एक जीवंत एवं यादगार स्वरूप प्रदान किया। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा सभी के लिए इफ्तारी का विशेष एवं भव्य आयोजन किया गया, जहाँ उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश प्रसारित किया। पूरा वातावरण उल्लास, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता की भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएच किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), एनटीपीसी सिंगरौली रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि ईद का यह पावन पर्व हमें प्रेम, त्याग, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बीच आपसी विश्वास और सौहार्द को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने सभी को ईद की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि एनटीपीसी सिंगरौली सदैव सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने की परंपरा का पालन करता रहा है। ऐसे आयोजन हमें एक सूत्र में पिरोते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में मोहम्मद खालिदजुम्मा, अपर महाप्रबंधक (एफ क्यू ए), एश एम सिद्दीकी, अपर महाप्रबंधक (राख प्रबंधन), नरेश कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), सहित यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन तथा स्थानीय क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को एक भव्य जन-उत्सव का रूप प्रदान किया।कार्यक्रम का सफल आयोजन एनटीपीसी सिंगरौली की ईद मिलन समिति द्वारा किया गया, जिसने आपसी सद्भाव, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।यह आयोजन न केवल एक पर्व के उत्सव तक सीमित रहा, बल्कि समाज में एकता में शक्ति के संदेश को सशक्त रूप से स्थापित करते हुए एनटीपीसी सिंगरौली की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी धाम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने टेका मत्था

नवरात्रि के पावन अवसर पर जिले की प्रभारी मंत्री ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

सिंगरौली। मध्य प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईक ने नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी देवी मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। भक्तिमय वातावरण के बीच प्रभारी मंत्री ने मां के दिव्य दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जिले एवं प्रदेशवासियों के कल्याण और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा ।मंदिर आगमन पर मंदिर प्रशासन के पदाधिकारियों ने प्रभारी मंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात मंदिर के मुख्य पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ प्रभारी मंत्री को मां की विशेष पूजा संपन्न कराई गई। पूजन के उपरांत पुजारियों ने उन्हें माता की चुनरी और प्रसाद भेंट कर शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्रीमती उईक ने कहा नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है। मां ज्वालामुखी के दर्शन कर हृदय में अपार शांति और ऊर्जा का संचार हुआ है। मेरी कामना है कि मां का आशीर्वाद जिले एवं प्रदेश के हर नागरिक पर बना रहे और हमारा मध्य प्रदेश निरंतर उन्नति करता रहे। इस अवसर पर राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह , प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय,भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने भी ज्वालामुखी माता की पूजा अर्चना कर जिले एवं प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की।

शासकीय उचित मूल्य दुकान लक्ष्मी मार्केट के विक्रेता व सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार राशन दुकानों में अनियमितता रोकने के लिए चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा लक्ष्मी मार्केट स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया गया,। निरीक्षण के दौरान टीम को दुकान पर स्टॉक एवं मूल्य सूची अद्यतन नहीं मिली। दुकान परिसर में साफ-सफाई का अभाव मिला।

सरई में आयोजित मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का प्रभारी मंत्री ने किया अवलोकन

सिंगरौली। सरई के संदीपनी विद्यालय मैदान में आयोजित मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का प्रभारी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रभारी मंत्री स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बिमारियो जैसे , नाक-कान-गला, सामान्य मेडिसन, हृदय रोग, श्वास एवं क्षय रोग (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम), चर्म रोग, नेत्र रोग, मानसिक स्वास्थ्य, स्त्री रोग, सर्जरी एवं कैंसर, हड्डी रोग तथा दंत चिकित्सा कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग, कैंसर स्क्रीनिंग, क्षय रोग स्क्रीनिंग, जैसी सेवाएं हेतु लगाये कैम्प का अवलोकन किया । प्रभारी मंत्री ने शिविर में उपस्थित मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उपचार की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया गया। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

श्रीराम कथा से गुंजायमान हुआ खैडार गांव, शिव-पार्वती विवाह ने बांधा समां

वृंदावन से आई कथावाचिका संतना द्विवेदी के मुखारविंद से हो रहा दिव्य आयोजन, 27 मार्च को विशाल भंडारा

सिंगरौली। जनपद पंचायत चितरंगी के ग्राम खैडार में शनिवार से प्रारंभ हुई श्रीराम कथा ने पूरे गांव को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया है। 20 मार्च से 26 मार्च तक चलने वाली इस सात दिवसीय कथा का आयोजन बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ किया जा रहा है। कथा के दौरान वृंदावन से पधारीं कथावाचिका संतना द्विवेदी अपने मुखारविंद से श्रीराम के चरित्र, आदर्श और जीवन मूल्यों का सुंदर वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही हैं।

रविवार को कथा के दूसरे दिन विशेष रूप से भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने बारात और विवाह की झांकी को जीवंत रूप दिया, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया। श्रद्धालु भक्ति गीतों और भजनों पर झूमते नजर आए। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा के समापन के उपरांत 27 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस धार्मिक आयोजन में ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग और उत्साह देखने को मिल रहा है। कथा स्थल पर व्यवस्थाओं से लेकर कार्यक्रम की सफलता तक हर कार्य में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। पूरे आयोजन ने गांव में एकता, श्रद्धा और सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया है।

प्रभारी मंत्री ने गोलाई बस्ती जयंत स्थित राशन दुकान का किया औचक निरीक्षण

सिंगरौली। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईक मंत्री मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जयंत स्थित गोलाई बस्ती में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने राशन वितरण की प्रक्रिया, स्टॉक की उपलब्धता और दुकान की सामान्य व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने दुकान परिसर में साफ-सफाई की स्थिति को देख असंतोष व्यक्त किया और निर्देश दिए कि राशन दुकान पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को एक बेहतर और स्वच्छ वातावरण में सेवाएं मिलनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना है।

पति ही निकला पत्नी का कातिल, जंगल में मिला था सड़ा-गला शव

दूसरी शादी के बाद बढ़े विवाद से रची हत्या की साजिश, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सिंगरौली। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में पिडरवाह-चितरवई जंगल में मिले अज्ञात महिला के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस सनसनीखेज मामले में महिला का पति ही उसका हत्यारा निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार 17 मार्च 2026 को पुलिस को सूचना मिली थी कि पिडरवाह चितरवई जंगल में 6-7 दिन पुराना एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। शव औंधे मुंह पड़ा था और सिर पर महरूम रंग का दुपट्टा ढका हुआ था। मौके पर पहुंची बरगवां पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव के पास मिले झोले से कपड़े, एक मोबाइल का खाली डिब्बा और जिला अस्पताल बैढ़न की ओपीडी पर्ची बरामद की। पर्ची के आधार पर मृतिका की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। शव अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण पोस्टमार्टम के लिए पहले जिला अस्पताल बैढ़न और बाद में एसजीएमएच रीवा रेफर किया गया। जांच के दौरान परिजनों ने बताया कि मृतिका का अपने पति जहरूद्दीन अंसारी से अक्सर विवाद होता था, क्योंकि आरोपी दो वर्ष पहले दूसरी शादी कर चुका था। विवाद के चलते महिला को बैढ़न में किराये के मकान में अलग रखा गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। एसडीओपी गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 13 मार्च को वह अपनी पत्नी को मोटरसाइकिल से जंगल ले गया और गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को वहीं छोड़ दिया और मोबाइल काचन डैम की नहर में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल, घटना में प्रयुक्त वाहन और अन्य सामान बरामद किया है। 21 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी समेत पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनने पर सई मांजरेकर ने जताई खुशी

'सपना सच होने जैसा'

एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। द इंडिया हाउस का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है। एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। द इंडिया हाउस का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। निखिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है। इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ सेट पर रहना आपको हर दिन अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो प्यार, क्रांति और भारत की भावना का जश्न मनाती है।

अक्षय कुमार से इंस्पायर हुईं वामिका गब्बी, हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में किया यह खास काम

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं। जानिए, ऐसा क्या कर रही हैं वामिका गब्बी। सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया। पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है। फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड पर दिव्या दत्ता ने दी प्रतिक्रिया, बोलीं- 'मेरी स्थिति अलग है'

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड करने के बाद इंडस्ट्री में इसको लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। इस बहस पर पूरी इंडस्ट्री दो खेमों में बंटी नजर आई। अधिकांश सेलेब्स ने जहां दीपिका पादुकोण की मांग का समर्थन किया। तो वहीं कुछ ने इससे अपनी नाइत्तेफाकी भी जताई। अब अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है। एचटी सिटी से बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते। एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वहां एक महिला महिला अधिकारों के बारे में बात कर रही थी। उसी समय पुरुष विरोधी बातें भी हो रही थीं। तभी वहां एक आदमी खड़ा हुआ और बोला, मैडम, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं, लेकिन क्या आप कृपया संबंधित व्यक्ति से कह सकती हैं? इसलिए हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जो बात मुझे ठीक लगे, वो दूसरे को शायद ठीक न लगे। उनकी स्थिति मेरी स्थिति से अलग है। तो किसी की स्थिति पर टिप्पणी करने वाली मैं कौन होती हूं? वैसे भी ये दो लोगों के बीच का मामला है। ये एक्टर्स और निर्माता के बीच का मामला है। अगर मुझे कभी जल्दी जाना पड़े और निर्देशक को इससे कोई आपत्ति न हो, तो कोई बात नहीं। अगर उन्हें आपत्ति है, तो वो साथ काम नहीं करते। बात इतनी ही सरल है।

हीरामंडी द डायमंड बाजार के बाद इस सीरीज में नजर आएंगे ताहा शाह बदुशा, करेंगे करण जौहर के साथ काम

यूएई में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा अब बहुत प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हीरामंडी' में नवाब ताजदार का रोल निभाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। हीरामंडी में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब वह जल्द ही करण जौहर की एक सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वैरायटी की एक खबर के अनुसार, अब ताहा शाह बदुशा करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की नई सीरीज नजदीकियां में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज करण जौहर की पुरानी फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' पर आधारित हो सकती है। उस फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और अभिषेक बच्चन थे।

नई सीरीज में ताहा शाह बदुशा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। सीरीज की कहानी दो जोड़ों के बारे में है। उनके पति एक-दूसरे के साथ गहरे प्रेम में पड़ जाते हैं। लोग कर्तव्य और खुशी के बीच चुनाव करते हैं। यह सीरीज रुचिर अरुण निर्देशित करेंगे। पटकथा प्रियंका बनर्जी, प्रतीक पयोदी, अभिनंदन श्रीधर और हीम वर्मा ने लिखी है। ताहा शाह बदुशा ने कहा, आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है। पहले मैंने धर्मा की फिल्म 'गिप्पी' में काम किया था। अब करण जौहर के साथ फिर काम करने का मौका मिल रहा है। 'हीरामंडी' के बाद यह नया अनुभव बहुत रोमांचक है। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। ताहा शाह बदुशा ने 2011 में श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म 'लव का द एंड' से शुरुआत की थी। उसके बाद उन्होंने 'ताज- डिवाइडेड बाय ब्लड', 'रांची डायरीज' और 'पारो- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' जैसी फिल्में कीं। 'हीरामंडी' के बाद अब 'नजदीकियां' में नजर आएंगे।

धुरंधर 2 ने तोड़ा शाहरुख की जवान का रिकॉर्ड, पहले ही दिन 100 करोड़ पार

रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। जानिए 'धुरंधर 2' का पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। और क्या 'उस्ताद भगत सिंह' इस फिल्म के आगे टिक सकी? फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर फैंस काफी वक्त से एक्साइडेट थे। यही वजह है कि इसके पेड प्रीव्यू के टिकट जमकर बिके थे। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म धुरंधर- द रिवेंज ने पेड प्रीव्यू से लगभग 50 करोड़ रुपये कमाए हैं।

गुरुवार को आदित्य धर निर्देशित और रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर जबरदस्त क्रेज सिनेमाघरों में देखने को मिला। पेड प्रीव्यू से लगभग 50 करोड़ कमा चुकी यह फिल्म पहले दिन कमाल का कलेक्शन करने में कामयाब रही। फिल्म ने पहले दिन ही कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। जानिए 'धुरंधर 2' का पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। और क्या 'उस्ताद भगत सिंह' इस फिल्म के आगे टिक सकी? फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर फैंस काफी वक्त से एक्साइडेट थे। यही वजह है कि इसके पेड प्रीव्यू के टिकट जमकर बिके थे। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म धुरंधर- द रिवेंज ने पेड प्रीव्यू से लगभग 50 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं पहले दिन के कलेक्शन में भी इसने धमाका कर दिया। फिल्म 'धुरंधर 2' का ओपनिंग डे कलेक्शन देखकर सब हैरान हैं। भारतीय सिनेमा के इतिहास में अब तक किसी फिल्म ने ओपनिंग डे पर इतना कलेक्शन नहीं किया, जितना फिल्म 'धुरंधर 2' ने किया है। सैकनिल्क के अनुसार 'धुरंधर 2' ने पहले दिन 102.55 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं फिल्म का नेट कलेक्शन भी 145.55 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म ने पहले पार्ट के ओपनिंग डे कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म 'धुरंधर' ने पहले दिन 28 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, ऐसे में 'धुरंधर 2' ने अपनी ही पिछले फिल्म के ओपनिंग डे कलेक्शन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। साथ ही 'जवान', 'पठान' और 'पुष्पा 2' जैसी फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को भी पार कर लिया है। फिल्म धुरंधर 2 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी कमाल कर दिखाया है। सैकनिल्क से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इसने ओवरसीज 64 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है।

श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा का सराहनीय पहलः दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में सस्ती जांच और निःशुल्क उपचार

2200 की ब्लड व लिक्विड प्रोफाइल जांच मात्र 200 में, रिपोर्ट के बाद डॉक्टर परामर्श व मुफ्त दवाइयों का वितरण; 40 वर्षों से सेवा दे रही गुरु नानक डिस्पेंसरी

इटारसी। समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा, इटारसी द्वारा दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्थानीय गुरुद्वारा परिसर में किया गया। यह शिविर विशेष रूप से सामाजिक बंधुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

शिविर के पहले दिन 21 मार्च (शनिवार) को विभिन्न स्वास्थ्य जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विशेष रूप से ब्लड टेस्ट और लिक्विड प्रोफाइल जैसी महंगी जांच, जिसकी सामान्यत: कीमत लगभग ?2200 होती है, उसे मात्र ?200 में उपलब्ध कराया गया। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को काफी राहत मिली।

शिविर के दूसरे दिन 22 मार्च (रविवार) को जांच रिपोर्ट आने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। साथ ही, आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी गुरु सिंह सभा के तत्वाधान में किया जाएगा, जिससे मरीजों को समुचित उपचार मिल सके।

उल्लेखनीय है कि श्री गुरु सिंह सभा द्वारा संचालित गुरु नानक फ्री डिस्पेंसरी पिछले 40 वर्षों से निरंतर समाज सेवा कर रही है। इस डिस्पेंसरी में स्वर्गीय सरताज सिंह सहित वर्तमान विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा द्वारा भी अपनी सेवाएं दी जा चुकी हैं। यहां मात्र ?5 में दो दिन तक उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है, जो जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रही है।

सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में यह शिविर सामाजिक बंधुओं के लिए आयोजित किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे शहर के सभी नागरिकों के लिए भी विस्तारित किया जाएगा। साथ ही आने वाले समय में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोरिया द्वारा भी मरीजों की निशुल्क जांच की जाएगी।

मानव सेवा ही माधव सेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा द्वारा समय-समय पर ऐसे जनकल्याणकारी कार्य किए जाते रहे हैं, जो समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

इस संबंध में जानकारी गुरुद्वारा के प्रधान जसवीर सिंह छाबड़ा ने दी। शिविर के सफल आयोजन में मुख्य सेवादारों एवं पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा, जिनमें सतप्रीत सिंह छाबड़ा (अध्यक्ष, गुरु नानक फ्री डिस्पेंसरी), देवेंद्र सिंह जुनेजा (सचिव), कर्नल अमनदीप सिंह, रिंकू भाटिया, गुरुभेज सिंह जुनेजा, राजेंद्र सिंह दुआ (कोषाध्यक्ष), भजन सिंह सलूजा, दयाल सिंह बंजारा, परविंदर सिंह टुटेजा, टिंकू भाटिया, दीप अरोड़ा, गोल्डी जुनेजा, मनजीत सिंह तनुजा सहित अन्य सामाजिक बंधुओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

शिविर के दौरान समाज के अनेक लोगों ने व्यवस्थाओं में सहयोग कर इसे सफल बनाया, जिससे सेवा और समर्पण की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

खिरकिया के नर्सिंग मंदिर में भगवान मीनेश जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई

पूजा-अर्चना, सामूहिक सहभागिता और मिठाई वितरण के साथ समाज में एकता व भाईचारे का संदेश

खिरकिया। स्थानीय नर्सिंग मंदिर में भगवान मीनेश जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष सजावट की गई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान मीनेश का स्मरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने समाज की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीणा समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस दौरान प्रसादी के रूप में श्रद्धालुओं को मिठाई वितरित की गई, जिससे पूरे माहौल में उत्सव का उल्लास देखने को मिला। इस आयोजन में युवा प्रदेश महामंत्री मुकेश पटेल मीणा ने विशेष रूप से भाग लेकर भगवान मीनेश की पूजा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने और सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में कई प्रमुख समाजसेवी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रेम पटेल, राजेंद्र मीणा, संतोष मीणा (जिला अध्यक्ष खंडवा), अशोक मीणा (महामंत्री), शशिकांत मीणा (महामंत्री), दुर्गेश मीणा (युवा जिला अध्यक्ष), विक्रम मीणा, शांतिलाल मीणा (नर्सिंग मंदिर अध्यक्ष), शुभम मीणा (महामंत्री), मनीष मीणा (मीडिया प्रभारी), मनीष मीणा (प्रदेश मंत्री), बिपिन मीणा (युवा उपाध्यक्ष), सत्यनारायण मीणा (उपाध्यक्ष) एवं कुलदीप मीणा (उपाध्यक्ष) सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि समाज में आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश भी देता नजर आया।

जिले में आराध्या तिवारी का सुयश रचा सफलता का कीर्तिमान

मण्डला। मण्डला जिले के राजीव कालोनी क्षेत्र के जिला मुख्यालय में सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम से संचालित स्कूल मोन्टफोर्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मण्डला में अध्ययनरत आराध्या तिवारी ने अपना सुयश दिखाया और एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। विगत दिवस माउंटफोर्ट स्कूल में परीक्षा परिणाम रिजल्ट घोषित किया गया।जिसमें आराध्या तिवारी जो कक्षा सातवीं में अध्ययनरत हैं 96.2त्न अंक प्राप्त करके अपने स्कूल,अपने परिवार के साथ-साथ जिले का नाम भी रोशन किया है।उसकी इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य ब्रदर बिनु चेरियन तथा सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने आराध्या तिवारी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।ज्ञात होवे कि आराध्या तिवारी मोन्टफोर्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक मीतेश तिवारी और मनीषा तिवारी की सुपुत्री है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इंडियन हैबिटैट सेंटर का अवलोकन किया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में इंडियन हैबिटेट सेंटर का अवलोकन किया। उन्होंने परिसर के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया गया और वहां की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सेंटर के निदेशक तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु के. जी. सुरेश भी उपस्थित थे। उन्होंने परिसर के संचालन और सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बदला मप्र का मौसम

भोपाल। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी है, जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ा डोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा। इधर, 12 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

समर सीजन में यात्रियों को राहत, दो ट्रेनों में बढ़े थर्ड एसी कोच

अहमदाबाद-कोलकाता और सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस में सुविधा

भोपाल। गर्मियों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने दो प्रमुख ट्रेनों में थर्ड एसी कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे प्रशासन के अनुसार गाड़ी संख्या 19413/14 अहमदाबाद-कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस में 27 मई से अहमदाबाद से चलने वाली तथा 30 मई से कोलकाता से चलने वाली ट्रेनों में थर्ड एसी कोच की संख्या 5 से बढ़ाकर 6 कर दी जाएगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 22947/48 सूरत-भागलपुर-सूरत एक्सप्रेस में 23 मई से सूरत से तथा 25 मई से भागलपुर से चलने वाली ट्रेनों में थर्ड एसी कोच 6 से बढ़ाकर 7 किए जाएंगे। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था अगले आदेश तक लागू रहेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेनों के कोच संयोजन, समय और ठहराव की जानकारी रेलवे की अधिकृत सूचना प्रणाली से जरूर प्राप्त कर लें।

अब बिना स्मार्ट मीटर भी मिलेगा बिजली कनेक्शन

गरीब और आदिवासी परिवारों को बड़ी राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश में गरीब और दूरदराज के आदिवासी परिवारों के लिए बिजली कनेक्शन लेना अब आसान हो जाएगा। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए नए कनेक्शन के लिए स्मार्ट या प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता को मार्च 2028 तक टाल दिया है। इस निर्णय से विशेष पिछड़ी जनजातियों और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

अब तक नियम था कि हर नए बिजली कनेक्शन के लिए स्मार्ट या प्रीपेड मीटर लगाना अनिवार्य होगा। लेकिन जमीनी स्तर पर नेटवर्क की कमी, तकनीकी ढांचे का अभाव और उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण दूरदराज गांवों में यह व्यवस्था लागू नहीं हो पा रही थी। इसके चलते कई जरूरतमंद परिवार बिजली कनेक्शन से वंचित रह जाते थे। आयोग ने इन व्यावहारिक समस्याओं को स्वीकार करते हुए बिजली कंपनियों को राहत दी है। अब कंपनियां नए कनेक्शन देने और खराब या जले हुए मीटर बदलने के लिए पारंपरिक (कन्वेंशनल) मीटर या नॉन-स्मार्ट प्रीपेड मीटर का उपयोग कर सकेंगी। खासतौर पर उन ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां नेटवर्क सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

स्मार्ट मीटर सिर्फ मशीन नहीं, पूरा सिस्टम!

बिजली कंपनियों ने आयोग को बताया कि स्मार्ट मीटर केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक पूरा डिजिटल इकोसिस्टम है। इसमें सर्वर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और बिलिंग इंटीग्रेशन जैसी सुविधाएं जरूरी होती हैं। इन व्यवस्थाओं के बिना स्मार्ट मीटर प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकते। साथ ही, देशभर में बढ़ती मांग के कारण स्मार्ट मीटर की सप्लाई भी प्रभावित हो रही है।

कंपनियों की प्रगति और लक्ष्य

मध्य प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियां ईस्ट, सेंट्रल और वेस्ट डिस्कॉम अपने-अपने क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही हैं, लेकिन अभी लक्ष्य से काफी पीछे हैं। ईस्ट डिस्कॉम को 56.50 लाख लक्ष्य, 25.90 लाख अवार्ड, सेंट्रल डिस्कॉम को 41.35 लाख लक्ष्य, 20.99 लाख अवार्ड और वेस्ट डिस्कॉम को 39.84 लाख लक्ष्य, लगभग 11.75 लाख अवार्ड हो पाया है। इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अलग-अलग समयसीमा तय की गई है, जो 2026 से 2027 तक फैली हुई है।

लाइन लॉस कम करने की कवायद

मध्य प्रदेश में बिजली चोरी और लाइन लॉस के कारण वितरण कंपनियों को हर साल करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। इसी घाटे को कम करने के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, ताकि उपभोग की सटीक निगरानी हो सके। आयोग ने कंपनियों को अगले दो वर्षों में लाइन लॉस 10 से 15 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य भी दिया है। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए आयोग का यह फैसला आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि अब उन्हें बिजली कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर लगने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

निकाय चुनाव के लिए सालभर पहले कांग्रेस तलाशेगी संभावित प्रत्याशी

2022 के चुनाव में कई निकायों में प्रत्याशी नहीं मिले थे

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय के चुनाव वर्ष 2027 में होने हैं। पिछले चुनावों के अनुभव से सबक लेते हुए प्रदेश कांग्रेस सालभर पहले यानी अभी से संभावित प्रत्याशी की तलाश करेगी। आरक्षण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी तलाशे जाएंगे। इस काम में मोहल्ला, पंचायत और वार्ड समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इनके द्वारा जो नाम प्रस्तावित किए जाएंगे, उन्हें गुण-दोष के आधार पर ब्लाक और जिला कांग्रेस परखेगी। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि वर्ष 2022 के चुनाव में कई निकायों के लिए पार्टी को प्रत्याशी ही नहीं मिले थे और भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जनता का मूड पता चल जाएगा।

वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में पहली बार कांग्रेस के पांच महापौर (मुरैना, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, जबलपुर और रीवा) चुने गए थे। ग्वालियर, चंबल और छिंदवाड़ा क्षेत्र में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में बढ़त भी मिली थी। चूंकि, नगरीय निकायों के चुनाव से प्रदेश में एक प्रकार से चुनावों की शुरुआत हो जाएगी, इसलिए पार्टी इन्हें गंभीरता से ले रही है। संगठन सृजन अभियान के तीसरे चरण में मंडल, पंचायत, वार्ड और फिर मोहल्ला समितियां का गठन किया जा रहा है।

निकाय चुनाव के लिए भी प्रभारी होंगे नियुक्त

सूत्रों का कहना है कि एक साल पूर्व प्रत्याशियों को तलाशने के अलावा प्रत्याशियों का भी पैनल रहेगा ताकि कोई टूट-फूट होती है तो भी विकल्प मौजूद रहे। दरअसल, पिछले चुनाव में नाम वापसी के बाद कुछ प्रत्याशी मैदान से हट गए थे जिसके कारण कांग्रेस के पास निर्दलीयों को समर्थन देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं रह गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी के अन्य प्रत्याशी भी माहौल खराब होने के कारण हार गए थे। पार्टी पदाधिकारी का कहना है कि नगरीय निकाय चुनाव के लिए अलग से प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे।

सड़कों/सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 13 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस में भेजा जबकि 04 घायल/बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा भेजा। निगम की हाका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया तथा 20 पशुओं को गौशाला भेजा गया।

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के सूरज नगर, एम.पी.नगर, अन्ना नगर, रतनपुर, प्रियंका नगर आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे 13 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउस में भेजा जबकि 04 घायल/बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा भेजने की कार्यवाही की। निगम की हाका पार्टी के दल ने भी विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों पर स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे 15 पशुओं को हांकर सड़कों से हटाया तथा 20 पशुओं को गौशाला भेजा गया।

डीआरएम भोपाल द्वारा बरखेड़ा चौका, मिडघाट एवं बुधनी स्टेशनों का संरक्षा निरीक्षण

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पंकज त्यागी द्वारा 20 मार्च को रानी कमलापति-बुधनी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया साथ ही बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी रेलवे स्टेशनों का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन करना रहा। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, पुल-पुलियों, रेलवे क्रॉसिंग तथा अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाए।

मिडघाट एवं बुधनी जैसे घाट सेक्शन में विशेष रूप से ट्रैक की स्थिति, ढलान वाले क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों तथा ट्रेन संचालन की सतर्कता की समीक्षा की गई। डीआरएम ने कहा कि घाट सेक्शन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है।

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता विषय पर आयोजित वैचारिक विमर्श सेमिनार संपन्न

भोपाल। भोपाल वूमेनएस वॉयस के द्वारा किए गए संगोष्टी एवं सम्मान समारोह हिंदी भवन में संपन्न हुआ। 20 मार्च दोपहर 12 बजे, हिंदी भवन, पालीटेक्निक चौराह, भोपाल में महिला दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम रखा गया है। महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता विषय पर आयोजित वैचारिक विमर्श में समाज के विभिन्न क्षेत्र में काम करने वाले महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम में 20 महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम की मुख्य आयोजक श्रीमती शीला सैंटियागो ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करने के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालना था ताकि उन्हें आर्थिक निर्भर होने का अलग-अलग विकल्प मिल जाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई स्टील प्लांट के जनरल मैनेजर श्रीमती पुष्पा एंब्रोस अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को पूर्ण रूप से स्वतंत्र होने के लिए उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाना बहुत आवश्यक है।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अथिति के रूप में सेवा निवृत्त न्यायाधीश सुश्री भावना साधव ने अपने संबोधन में कहा की महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ना बहुत आवश्यक है उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा ही एकमात्र साधन है, जो कि सबसे पहला सीड़ी है जो महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता की ओर लेजाएंगे।

यह गैर सरकारी संगठनों के एक समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम है। मुख्य आयोजक सर्व धर्म सद्भावना मंच, सोसाइटी ऑफ एन जी ओ अवेयरनेस(यूएनजीओ ग्रुप) दा बुद्ध भूमि धम्म दूत संघ,ईसाई महासंघ,इंस्टिट्यूट फॉर सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट,मौलाना बरकतउल्ला एजुकेशनल सोसाइटी, प्रांजली एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी आदि शामिल है। मध्य प्रदेश कैट कन्विनियर मंजरी श्रीवास्तव ने महिलाओं के आर्थिक स्वतंत्रता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बात किया, इसके अलावा शिक्षा का क्षेत्र से महिलाओं की आर्थिक सुधार कैसे हो सकता है कानून की नजर से महिलाओं की सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता कैसे हो सकता है इस प्रकार विभिन्न पहलुओं पर इस बैठक में बातचीत हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन मोटिवेशनल स्पीकर श्रीमती निर्मला मासी ने किया। समाज के विभिन्न श्रेणियां पर सेवाएं देने वाले 20 महिलाओं का इस कार्यक्रम में सम्मान किया। कुछ सामाजिक क्षेत्र में, कुछ शिक्षा के क्षेत्र में, कुछ आर्थिक क्षेत्र में, कुछ न्यायिक क्षेत्र में, ऐसे विभिन्न क्षेत्र से काम करने वाले 20 महिलाओं का सम्मान किया उन महिलाओं का नाम इस प्रकार है। श्रीमती पुष्पा एंब्रोस, वरिष्ठ सेवानिवृत न्यायाधीश सुश्री भावना साधौ, मंजू शर्मा, नवीन अरोड़ा, रीता पुरोहित, वंदना मुलताई, रेखा सोनी, डॉ श्वेता दीक्षित, मोहिनी शाक्यवार, आशा मिश्रा, प्रमिला एंथोनी, चरणजीत कौर प्रिंसिपल करियर कॉलेज, महिमा मार्को बाबा, उषा शियोन, लवीना केरकेट्टा, सुश्री कुसुम यादव, रेखा पांडे, कृष्ण सिंह, अंजना मस्कुले, बिंदिया खरब प्रीति पटेल और कामनी मेहरा भी शामिल है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)